Historynama

भारत का इतिहास हैंड रिटन नोट्स

Vijay Sharma

प्राचीन भारत
मध्यकालीन भारत
आधुनिक भारत

PDF Only 150 Rs

9812608829

भाग → २

HISTORY
इतिहास

Class 01

मध्यकालीन भारत # 712 से 1857 तक

★ हर्ष वर्धन की मृत्यु होते ही भारत का विभाजन हो गया

प्राचीन समय

★ वर्धन वंश / पुष्यभूति वंश
- हर्ष वर्धन [redacted]
  - → 606–647 ई०
  - → नाटक → रत्नावली, नागानन्द, प्रियदर्शिका

■ 629 → ह्वेनसांग (चीन)

■ 647 → हर्ष वर्धन → मृत्यु ★
- कोई उत्तराधिकारी नहीं ★
- ★ भारत का विभाजन

अरब
- अरब खलीफा धार्मिक गुरु

पहला ← मुस्लिम आक्रमण
- अरबी ↔
- हिन्दुकुश पहाड़ी
- खैबर दर्रा

मंसुर हजाज ⟹ मोहम्मद बिन कासिम
- प्रचार
- विस्तार
- धन

712 में पहला भारत पर आक्रमण

★ 712 ई० → रावर का युद्ध
- → कासिम VS राजा दाहिर (हार) जाता है
  - ↳ सिंध का राजा
- → जीत गया
- पहली बार ★ → जजिया कर लागू (गैर-मुस्लमानों) पर

हिन्द महासागर

बंगाल की खाड़ी

तुर्की मुस्लमान → अल्पतगीन 17000 मुस्लमान → संस्थापक
- 932 ई०
- गजनी की स्थापना

पहला तुर्की आक्रमण

अल्पतगीन का दामाद
- → सुबुकतगीन ⟹ 986 ई०
  - दूसरा ← स्वयं मुस्लिम आक्रमण (असफल)
  - → सुबुकतगीन VS जयपाल
    - → जीत गया
    - ★ → मुलतान का राजा

सुबुक्तगीन का बेटा

★ महमूद गजनवी (997 — 1030) तक → 17 बार
- → भारत पर आक्रमण
- → सुल्तान की उपाधि धारण की
  - ↳ बगदाद के खलीफाओं से

महमूद गजनवी

997 – 1030 → 17 बार आक्रमण

1000 – 1001 में → वैहिन्द की लड़ाई
→ महमूद गजनवी VS जयपाल → हार जाता है, आत्म हत्या कर लेता है।

1008 में → आनंदपाल को हराया
→ जयपाल का बेटा

★ 1014 मे थानेसर पर हमला किया → (हरियाणा)
→ मंदिरो को लुटा | सोना

★ 1025 में सोमनाथ मंदिर को लुटा
→ गुजरात → 16 वा आक्रमण
→ का राजा भीम प्रताप को हराया
★ → 20 लाख दीनार
★ → 300 ऊँट कम पड़ गए इतना सोना लुटा

★ लुटा हुआ सोना रास्ते में खोखर जाटो ने लुट लिया

1027 में जाटो के विरुद्ध आक्रमण किया
इस युद्ध मे 50 हजार जाटो की हत्या कर दी गई
→ 17 वा व आखरी आक्रमण (बदला लेने के लिए)

★ 1030 में महमूद गजनवी की मृत्यु हो जाती है।

गजनी → 153 साल बाद राजा बना
↓
महौमद गौरी → 1173 से 1206 तक

→ महोमद बिन कासिम
712 में मुस्लिमो का आगमन
1192 मे मुस्लिम साम्राज्य की नीव → महोमद गौरी
1206 मे मुस्लिम समाज्य स्थापित
→ कुतुबदीन ऐबक
★

महोमद गौरी

↓

गुलाम → I बख्तयार खिलजी

II कुतुबद्दीन ऐबक

★ दिल्ली को अनंगपाल तोमर ने बसाया था

★ सोमेश्वर चौहान

पुत्र → राजा पृथ्वीराज चौहान तृतीय → चंदबरदाई

जयचंद ↓ बेटी

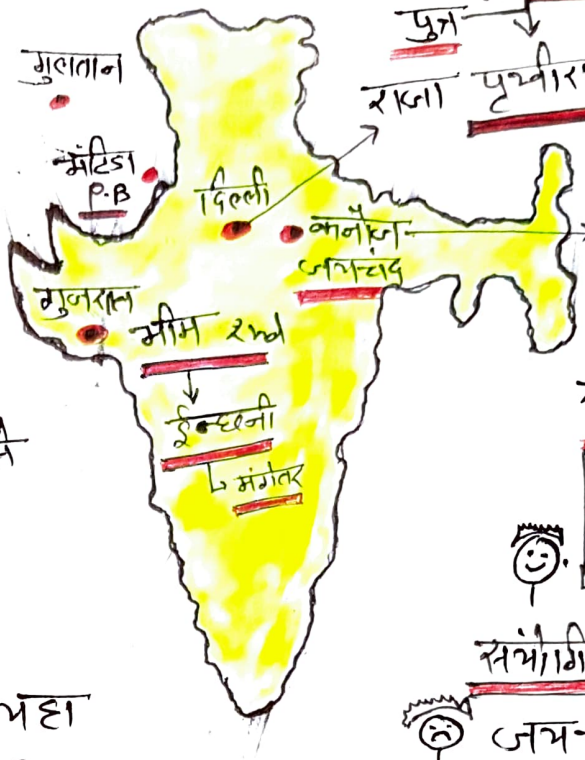

संयुक्ता / संयोगिता

→ स्वयंवर

→ पृथ्वीराज

संयोगिता को उठा लाया

जयचंद → नाखुश

गौरी का पहला आक्रमण

मुलतान पर 1175 में हुआ यहा गौरी को बुरी तरह से पीटा गया मुलतान की जनता ने इसे बुरी तरह मारा

गौरी का दूसरा आक्रमण

गुजरात में 1178 में हुआ यहा वहाँ के राजा ने भीम देव ने गौरी को हराया और गौरी को कैद में डाल दिया बख्तयार खिलजी ने हाथ जोड़कर इसे छुड़वाया

गौरी का तीसरा आक्रमण

भटिंडा पर हुआ 1186 ई० में यहा पर गौरी जीत जाता है। और भटिंडा पर कब्जा कर लेता है। और गौरी भटिंडा से 16 बार आक्रमण करता है भारत पर तराईन पर लेकिन तराईन पर पृथ्वीराज चौहान III की सेना हराती रहती है। (→ गौरी को)

★ तराईन की पहली लड़ाई → 1191 मे

गौरी का 17 वा आक्रमण

महोमद गौरी VS पृथ्वीराज चौहान III

महोमद गौरी ↓ हार गया / पकड़कर छोड़ दिया गया

पृथ्वीराज चौहान III → जीत हासिल की → जयचंद ने साथ दिया

तराईन की दूसरी लड़ाई → ११९२ में

महोमद गौरी VS पृथ्वीराज चौहान III

→ जीत हासिल की

कारण → जयचंद ने साथ दिया क्योंकि पृथ्वीराज जयचंद की पुत्री को कैद से छुड़वा कर अपने साथ भगा लाया था संयोगिता कैद में (पृथ्वीराज की मुर्ती को वरमाला पहनाने के कारण

→ भीम 2nd ने साथ दिया क्योंकि भीम 2nd की मंगेतर ईन्छनी जो पृथ्वीराज से प्यार करती थी उसको भी पृथ्वीराज चौहान उठा लाया था

इन बातों की जानकारी → पृथ्वीराजरासो से मिलती है। इसको चन्द्रबरदाई ने लिखा था

तराईन के दूसरे युद्ध ने भारत में मुस्लिम सम्राज्य की नींव डली

११९५ में चन्दावर का युद्ध → गौरी VS जयचंद
→ हार जाता है (मृत्यु)

→ गौरी के गुलाम → कुतुबदीन , बख्तायार खिलजी
गजनी चला जाता है

कुतुबदीन:
- ११९७ में → पश्चिमी भारत पर आक्रमण
- → भीम 2nd को मार देता है।

बख्तायार खिलजी:
- → ११९७ मे पूर्वी भारत पर आक्रमण
- → बिहार → नालन्दा विश्वविद्यालय
  - → ५११ ई० पूर्व कुमारगुप्त ने बनवाया (चन्द्रगुप्त का बेटा)
  - बख्तायार इसे नष्ट कर देता है। ११९७ — १२०५ के बीच

कुतुबदीन ↔ बख्तायार के बीच
लड़ाई → बख्तायार की मृत्यु

गौरी → कुतुबदीन व बख्तायार का समझौता करवाने वापिस भारत आता है।
जब समझौता करवा के वापिस जा रहा होता है। तो रास्ते में

★ १२०६ में महोमद गौरी को जाट मार डालते है।

History | Class 03

कुतुबद्दीन ऐबक

(दिल्ली सलतनत)
(1206 – 1526 तक)

गुलाम वंश → 12 शासक हुए
कुतुबुद्दीन, आराम शाह, इल्तुतमिश, फिरोजशाह, रजिया, बैरमशाह, मसूद शाह, नसीरुद्दिन महमूद, गयासुद्दीन बलबन, खुसरो, कैकुबाद, कैमूर्स।
→ ये शासक दिल्ली की गद्दी पर बैठे थे और सभी गुलाम वंश के थे

- # गुलाम वंश – 1206 – 1290
- # खिलजी वंश – 1290 – 1320
- # तुगलक वंश – 1320 – 1414
- # सैय्यद वंश – 1414 – 1451
- # लोदी वंश – 1451 – 1526

Total = 320 Year) साल तक शासन किया
इन्हीं पाँच वंशों को दिल्ली सलतनत कहा जाता है।

कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न

- # दिल्ली सलतनत का पहला वंश = गुलाम वंश / दास वंश / मामुलक वंश (फारसी भाषा) / Slave वंश (अंग्रेजी भाषा)
- # दिल्ली सलतनत का आखरी वंश = लोदी वंश
- # दिल्ली सलतनत का छोटा वंश = खिलजी वंश
- # दिल्ली सलतनत का लम्बा वंश = तुगलक वंश
- # दिल्ली सलतनत का पहला शासक = कुतुबुद्दिन ऐबक
- # दिल्ली सलतनत का आखरी शासक = इब्राहिम लोदी
- # दिल्ली सलतनत का संस्थापक = कुतुबद्दीन ऐबक
- # दिल्ली सलतनत का वास्तविक संस्थापक = इल्तुतमिस.
- # दिल्ली सलतनत का उद्धार किसने किया = बलबन (गयासुद्दीन बलबन)
- # दिल्ली सलतनत की राजधानी = लाहौर | दिल्ली | दौलताबाद | → देवगिरी पुराना नाम (→ महाराष्ट्र में है)
- # दिल्ली सलतनत की भाषा = फारसी

(– – –)

गुलाम वंश | दास वंश | मामुलक वंश (फारसी भाषा में) | Slave dynasty (स्लेव वंश अंग्रेजी भाषा में)
(1206 – 1290 तक)

दिल्ली सलतनत — संस्थापक – कुतुबद्दीन ऐबक (1206 – 1210 तक)
राजधानी – लाहौर

- # कुवत-उल-इस्लाम मस्जिद (दिल्ली महरौली)
- # अजमेर में अढ़ाई दिन का झोपड़ा बनवाया (राजस्थान)
- # कुतुबमीनार का निर्माण शुरू करवाया था
- # सूफी संत ख्वाजा कुतुबद्दीन बख्तियार काकी की याद में (कुतुबमीनार बनी थी)
- # 1210 ई० में चौगान (पोलो) खेलते हुए घोड़े से गिरकर मृत्यु हो गई

ऊँ० = 72.5 m
5 → बिजली गिरने के कारण फिरोजशाह तुगलक
4 → इल्तुतमिस ने पूरा
1–3 → तीन मंजिल कुतुबद्दीन ने शुरू किया।
→ कुतुबमीनार की मरम्मत सिकन्दर लोदी ने करवाई थी

(#

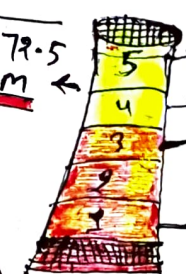

1210 ई० मे कुतुबद्दीन ऐबक की मृत्यु होने के बाद कुतुबद्दीन ऐबक का
★ → बेटा | आराम शाह (1210-1211) गद्दी पर बैठा ये दिल्ली सल्तनत का दूसरा शासक था इसको बदायू के गवरनर इल्तुतमिश ने मरवा दिया था।
कुतुबद्दीन ऐबक के दो अन्य नाम थे — लाख बक्स / कुरान खां /
कुतुबदीन ऐबक का मकबरा लाहौर में स्थित है। (पाकिस्तान)
III - गुलाम शासक 3 → | इल्तुतमिश | (1211 — 1236 ई०) (~~गुलाम~~ [वंश का वास्तविक संस्थापक) और दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक
इल्तुतमिश राजधानी को लाहौर से दिल्ली करने वाला पहला गुलाम शासक था
इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार का निर्माण पूरा करवाया | Class 04 ★ |
इसने 40 तुर्की अमीर लोगों का संगठन बनाया। जिसका नाम था - तुर्कान - ए - चहलगान
इसने दिल्ली मे टकसाल बनवाई जहाँ दो तरह के सिक्के बनते थे → ★ जीतल ↓ तांबा | टका ↓ चांदी
बलबन इल्तुतमिश का गुलाम था इसे इल्तुतमिश ने खरीदा था।
बलबन को अमीर-ए-आखुर पद दिया गया। अस्त बल का प्रधान (मतलब | दिल्ली का करया → सेना + हथियार + पशु प्रधान था)
(1221 ई० मे) इल्तुतमिश के शासन काल में चंगेज खाँ का हमला हुआ था | मंगोलिया शासक ★ चंगेज खां
(1229 ई० मे) इल्तुतमिश बगदाद पहुचकर वहा के खलीफाओ से सुलतान की उपाधि लेकर आता है।
फिरोजशाह, बहराम शाह, नासिरुद्दीन महमूद, रजिया (बेटी) तीन बेटे और एक बेटी थी
↳ 1236 मे बैठा था गद्दी पर लेकिन इसको सभी ने मिलकर हत्या करवा दी)
इल्तुतमिश ने इक्तादारी शुरु की थी (मतलब वेतन के बदले जमीन देना) कर्मचारीयो को
1236 ई० मे इल्तुतमिश की | मृत्यु | हो गई

| रजिया सुल्तान | 5 नम्बर की शासक (1236 से 1240 ई० तक) | 3 साल 6 महीने 6 दिन तक राज किया था रजिया ने
भारत की पहली महिला शासक रजिया सुल्तान थी। ★
रजिया ने सड़क, शिक्षा पुस्तकालय बनाए थे।
रजिया ने पर्दा / बुरका / का त्याग दिया → | विद्रोह हुए थे लेकिन बलबन ने रजिया का साथ दिया |
रजिया ने पुरुष पोशाक पहनना शुरु किया →
| बहराम शाह, नासिरुद्दीन महमूद] भाई - रजिया | 40 लोग तुर्कान ए चहलगान | बलबन (अमीर-ए-आखुर) ये राजव्यवस्था थी रजिया के समय ★ |
रजिया ने याकूत को अमीर-ए-आखुर बना दिया (याकूत रजिया का प्रेमी था) (ये हब्सी जाति का था) ★
जिस से बलबन के साथ रजिया के सम्बन्ध बिगड़ गए
अल्तुनिया भटिण्डा का गर्वनर था और अल्तुनिया ने भटिण्डा मे विद्रोह कर दिया रजिया इस विद्रोह को दबाने के लिए भटिण्डा आना पड़ा जहा अल्तुनिया ने याकूत को मारकर रजिया को कैद में डाल दिया
अल्तुनिया ने रजिया से शादी कर ली। दोनो जब भटिण्डा से शादी कर के दिल्ली वापिस आ रहे थे तो बहराम शाह ने रास्ते मे ही कैथल के जंगलों मे डाकुओ से इनकी हत्या करवादी
1240 में रजिया की मृत्यु हो गई (कैथल में रजिया का मकबरा है) ★ Imp ★

Class 05 History

रजिया के बाद शासक
↓

बहराम शाह = 1240 – 42 तक
मसूद शाह = 1242 – 46 तक (फिरोजशाह का पुत्र) था
नासिरुद्दीन महमूद = 1246 – 66 तक (20 साल तक शासन किया) ↔ इसके समय बलबन प्रधानमंत्री था

ये सब नाममात्र के शासक थे

नौ के नम्बर पर शासक — (गयासुद्दीन बलबन) (1266 – 86 तक ई० तक)

गुलाम + अमीर-ए-आखुर + प्रधानमंत्री + सुल्तान)

बलबन ने सुल्तान बनते ही दो नियम लागू कर दिए — (कानून) (1) सिजदा | (2) पाबोस

सिजदा ↓ झुककर सलाम करना

पाबोस ↓ पेट के बल दरबार में आना और राजा के पैर चूमना

ये दोनों नियम राजा का प्रभाव स्थापित करने के लिए लगाए गए थे (यानि डर | जनता मे डर बनाए रखने के लिए)

बलबन ने तुर्कान-ए-चहलगान को समाप्त कर दिया।

बलबन ने एक फारसी त्यौहार नौरोज त्यौहार शुरु किया था

बलबन के शासन काल मे मंगोलो के आक्रमण हुए थे और इन आक्रमणो मे बलबन का पुत्र महमूद मारा गया।

बलबन ने अपना बदला लेने के लिए तीन नीतिया अपनाई थी (मंगोलो के खिलाफ)

- लौह व रक्त नीति → खून का बदला खून
- दुर्ग नीति → अपनी सीमाओं पर दुर्ग बनवाए और इनमे सिपाहियो को बैठाया
- दीवान-ए-अर्ज → ये बलबन की फौज थी (Army फौज थी)

बलबन ने दिल्ली सल्तनत का उद्धार किया था

1286 ई०–87 मे बलबन की मृत्यु हो गई।

बलबन के दो बेटे थे — महमूद | बुगरा खाँ

महमूद → (पुत्र) खुसरो (10 वा शासक → 1286–87 → खुसरो, कैकुबाद ने इसकी हत्या कर दी)

बुगरा खाँ → (पुत्र) कैकुबाद → (1287–90 लकवा बीमार हुआ मृत्यु)

कैकुबाद → (पुत्र) शमसुद्दीन कैमूर्स → का सेनापति → जलाल खिलजी

(11 वा) शासक कैकुबाद बना (1287–90) ई० तक और इसको लकवा मार गया और इसने 3 साल के पुत्र कैमूर्स को गद्दी पर बैठा दिया इसका सेनापति जलाल खिलजी था

गुलाम वंश का (12 वा) व अंतिम शासक कैमूर्स था ★ I.m.P

कैमूर्स की हत्या जलाल खिलजी ने कर दी → (शमसुद्दीन कैमूर्स पूरा नाम था 3 महीने तक राज किया था)

जलाल खाँ ने खिलजी वंश की नींव डाली).

जलाल खां | जलालुद्दीन # | Class 06 History | # दूसरा वंश

2 -> खिलजी वंश (1290-1320 तक -> छोटा वंश)

खिलजी वंश का संस्थापक -> जलालुद्दीन खिलजी -> [1290-1296 तक]

- -> ये उदार था | दयावान था
- -> बुढ़ा था | 70 साल से ज्यादा हो चुका था
- इसकी बेटी -> मलिका-ए-जहाँ
- भतीजा -> अल्लाउद्दीन खिलजी ★ अनपढ़ | खुद को सिकन्दर समझने वाला

जलालुद्दीन खिलजी जब गद्दी पर बैठा तो सबसे बड़ी मुसीबत (UP) में कड़ा नामक जगह पर 1290 ई० में ही एक विद्रोह हुआ | कड़ा का ~~[struck]~~ = गर्वनर मालिक छज्जु था जिसने ये विद्रोह किया था | कड़ा का विद्रोह रोकने के लिए जलालुद्दीन ने बहुत बार अपनी सेना भेजी | लेकिन कड़ा के विद्रोह को जलालुद्दीन की सेना शांत नहीं कर सकी | जलालुद्दीन ने एक घोषणा की -> की जो इस विद्रोह को शांत करेगा उसे मैं मुहमांगा इनाम दुंगा | ये बात सुनकर अलाउद्दीन ने विद्रोह को दबाने की हां कर दी |

#

अलाउद्दीन खिलजी | 1290-92 तक कड़ा अभियान पर जाता है | और वहा जाकर अलाउद्दीन ने मालिक छज्जु की हत्या कर दी |

- इस खुशी में जलालुद्दीन ने अलाउद्दीन को कड़ा का गर्वनर बना दिया | जलालुद्दीन ने ये तौफा बिना मांगे ही अल्लाउद्दीन को दिया पर लेकिन अल्लाउद्दीन बहुत ही चालाक था | उसने जलालुद्दीन की बेटी मालिका-ए-जहाँ का हाथ मांग लिया | और शादी कर ली | और अलाउद्दीन वापिस कड़ा चला गया |

दक्षिण भारत में पहला आक्रमण अल्लाउद्दीन खिलजी ने किया (1295 ई०) उस समय (महाराष्ट्र) के देवगिरी का राजा रामचन्द्र देव था | ये हमला

अलाउद्दीन ने जलालुदीन को बिना बताए ही किया था और दक्षिण भारत को लुटकर सारा सोना कड़ा ले गया | जब जलालुद्दीन को इस बात का पता चला तो उसने 1296 ई० मे अलाउद्दीन पर आक्रमण करने के लिए कड़ा पहुंचा अलाउद्दीन ने उनका आदर सत्कार किया और माफी मागने के बहाने अलाउद्दीन ने अपने सेनापतियो को इसारा करते हुए धोखे से जलालुद्दीन की हत्या करवा दी जलालुद्दीन का सिर कटकर गिरने से पहले ही अलाउद्दीन ने ताज निकालकर पहन लिया था (अलाउद्दीन खिलजी, जलालुद्दीन खिलजी का दामाद था) ★

अलाउद्दीन खिलजी # (1296 – 1316 तक) खिलजी वंश का दूसरा शासक

- → भारत का दूसरा सिकन्दर (खुद को सिकंदर समझने वाला)
- → सिकंदर-ए-सानि की उपाधी मालीक काफूर ने दी थी)

अलाउद्दीन खिलजी कार्य

- स्थाई सेना → सेना को गिनकर रखा गया। नगद वेतन दिया
- दाग प्रथा → घोड़ो को दाग लगाया गया
- हुलिया प्रथा → सेना को मुखौटे दिए गए। या। सेना के लिए बनवाए गए
- बाजार नियंत्रण → बाजार का भाव नियंत्रण किया। कोई कम तोलता था तो उसका उतना ही मांस कटवा दिया जाता था
- चराई / गढ़ी कर (TAX) → चराई कर पशुओं पर। गढ़ी कर घरों पर लागु किया
- दिल्ली मे अलाई दरवाजा → दिल्ली मे अल्लाई दरवाजा बनवाया गया
- दिल्ली में हौज खास → दिल्ली मे एक बहुत बड़ा जलाश्य का निर्माण करवाया
  (जलाश्य)
- मंगोल के खिलाफ → लौह रक्त की निति → खुन के बदले खुन वाली निति अपनाई गई

अलाउद्दीन खिलजी के शासन काल में कौन-२ कहा कहा किस का शासन चल रहा था

Class 07

राघव चेतन
↓ गुरु
रावल रतन सिंह
पत्नि → पद्मीनि
सिंहल द्वीप से शादी कर के लाया था

अलाउद्दीन खिलजी
↓ सेनापति
नुसरत खाँ

राजा कर्ण
पत्नि → कमला

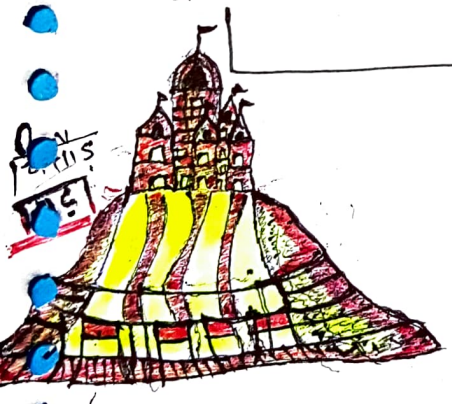

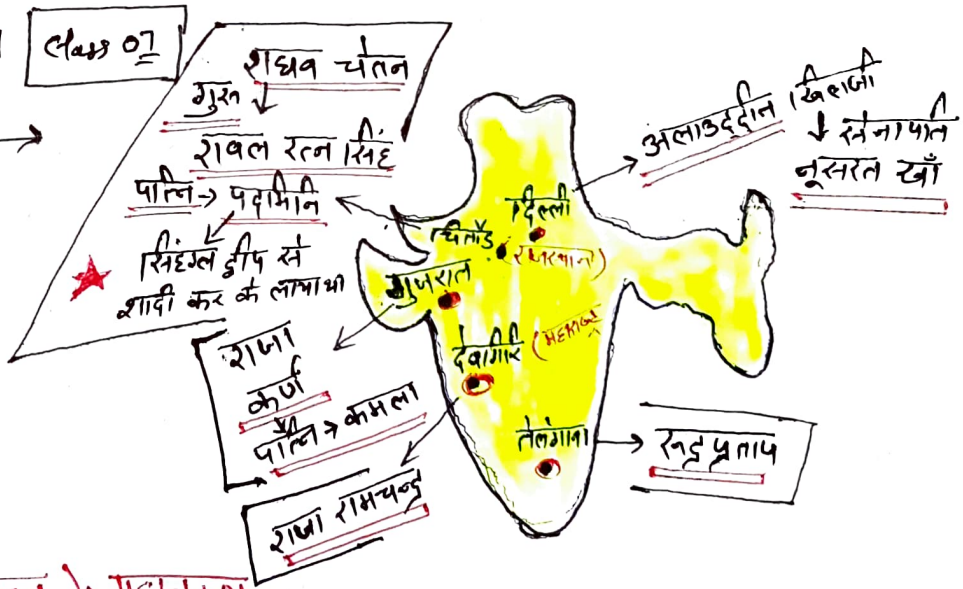

राजा रामचन्द्र

रुद्र प्रताप

- राजा → रावल रतन सिंह
- रानी → पद्मीनि (पद्मावत) → महाकाव्य
  → किताब ⇒ मालिक महोमद जायासी (1540 ई० में)

★ सिंहल द्वीप से रावल रतन सिंह पद्मीनि से शादी कर के लाया था

★ रावल रतन सिंह के गुरु ⇒ चेतन (राघव चेतन) → संगीतकार, तांत्रिक

अलाउद्दीन खिलजी के अभियान

गुजरात अभियान (1297-99) इस अभियान में अलाउद्दीन खिलजी का सेना पति → नुसरत खान गया था (ये अलाउद्दीन का पहला अभियान था) (राजा बनने के बाद)

नुसरत खां ने राजा कर्ण को हराया और उसकी पत्नि कमला को उठा लाया। रास्ते में आते समय गुजरात के मेले से नुसरत खां एक गुलाम को लाया जिसका नाम मालिक काफूर था। इसे 1000 दीनार में खरीदा था। इसीलिए इतिहासकारों ने मालिक काफूर को हजार दीनारी कहा।

कमला और मालिक काफूर को अलाउद्दीन के सामने पेश किया।

↳ अलाउद्दीन खिलजी ने इससे शादी कर ली और मालिक काफूर को अपना निजी गुलाम बना लिया।

दूसरा अभियान → 1303 ई० में) चित्तौड़ पर आक्रमण किया।

★ ↳ यहां पर अलाउद्दीन के साथ → मालिक काफूर (हिजड़ा) था।
→ खिलजी सेना
→ राघव चेतन (रावल रत्न सिंह का गुरु)
↳ संगीतकार, तांत्रिक भी था

इसी ने अलाउद्दीन के चित्तौड़ पर आक्रमण करने के लिए उकसाया था अपना बदला लेने के लिए। क्योंकि राघव चेतन को चित्तौड़ से रानी पद्मिनि की वजह से बेइज्जत कर के निकाला था - कारण → पद्मिनि की सुन्दरता थी।

(अलाउद्दीन खिलजी भी पद्मिनि की सुन्दरता देखने ही आया था)

अलाउद्दीन ने धोखे से रत्न सिंह को कैद करके दिल्ली की जेल में डाल दिया और राघव चेतन को चित्तौड़ भेजा पद्मिनि को अपनी पत्नि के लिए आमन्त्रित किया पद्मिनि ने शादी करने के लिए हां कर दी और इसके साथ अपनी तीन सर्ते भी रखी

1 → पद्मिनि के साथ-2 पद्मिनि की 700 दासियों से भी शादी करनी होगी

2 → 700 पालकियां भेजनी होगी चित्तौड़ गढ़ और रास्ते में पालकियों को कोई चैक नहीं करेगा

3 → राघव चेतन का सिर काटकर चित्तौड़ भेजना होगा। तीनों शर्तों को मान लिया गया

→ पालकियों में 700 सैनिक थे ये धोखा अलाउद्दीन सहन नहीं कर सका उसने 700 सैनिकों के साथ राजा रत्न सिंह को भी मार डाला। पद्मिनि ने ये खबर सुनकर स्वयं को आग में जला दिया - इसी को जौहर कहा गया → इसकी जानकारी पद्मावत किताब से मिलती है

★ पद्मावत किताब की रचना 1540 ई० में शेरशाह सूरी के शासन काल में
महाकाव्य | मालिक मुहम्मद जायसी ने की थी

तीसरा अभियान → (1308-11 ई० तक) दक्षिण भारत का अभियान

अलाउद्दीन ने इस अभियान में मलिक काफूर को भेजा जब मलिक काफूर दक्षिण अभियान के तहत तेलंगाना पहुँचा तो वहाँ के राजा रुद्र प्रताप सिंह ने मलिक काफूर को कोहीनूर हीरा दिया। और इस नायाब हीरे को मलिक काफूर ने अलाउद्दीन खिलजी को दिया। मलिक काफूर द० भारत अभियान से 3 साल में वापिस दिल्ली लौटा था।

1316 ई० में अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु हो गई बीमार होने के कारण।

अलाउद्दीन खिलजी का बेटा → मुबारक शाह खिलजी गद्दी पर बैठा।

मुबारक शाह खिलजी ने गद्दी पर बैठते ही मलिक काफूर को मार डाला।

1316 ई० → मुबारक शाह खिलजी # → (1316 से 1320 तक)

- → इसके 2 सेनापति थे → 1 → खुसरो।
  2 → गाजी। गाजी तुगलक। ☆
- → खुसरो ने इसकी हत्या करदी।
- → ये खिलजी वंश का अंतिम शासक था (मुबारक शाह खिलजी)

खुसरो ने गद्दी पर बैठने की इच्छा की लेकिन गाजी ने खुसरो की हत्या करदी

गाजी → का पुरा नाम ⇒ गाजी मलिक। गाजी तुगलक। इसी ने तुगलक वंश की नींव डाली।

तीसरा वंश
सबसे लम्बा वंश # ★

तुगलक वंश
1320 – 1414 ई० तक

(दिल्ली सल्तनत का 03 वंश और सबसे लम्बा शासनकाल)

संस्थापक → ग्यासुद्दीन तुगलक (1320–1325 तक)

तुगलकाबाद शहर बसाया (दिल्ली में) ★

एक दुर्ग बनवाया   (छप्पनकोट दुर्ग)

सबसे ज्यादा मंगोल आक्रमण हुए इसके शासन काल में।

नहरों का निर्माण करवाया (हरियाणा में नहरों का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था) ★

ग्यासुद्दीन का बेटा जुना खाँ था

जुना खाँ, निजामुद्दीन औलिया सन्त दोनों अच्छे मित्र थे। ये बात ग्यासुद्दीन को अच्छी नहीं लगती थी →

⇒ 1325 ई० मे ग्यासुद्दीन तुगलक बंगाल गया हुआ था। तब निजामुद्दीन औलिया ने जुना खाँ को अगला राजा घोषित कर दिया। इस बात का पता ग्यासुद्दीन तुगलक को लगा तो दोनो के आपसी सम्बंध खराब हो गए → ग्यासुद्दीन तुगलक ने इसे दिल्ली से चले जाने को कहा।

तब निजामुद्दीन औलिया ने ग्यासुद्दीन को कहा → दिल्ली-ए-दूरस्त

↳ दिल्ली अभी दूर है।

ग्यासुद्दीन बंगाल से वापिस दिल्ली के लिए रवाना होता है। रास्ते में जुना खाँ और निजामुद्दीन औलिया ने एक लकड़ी का महल बनवाया और इस महल मे जैसे ही ग्यासुद्दीन अन्दर जाता है। तो ये लकड़ी का महल उस पर गिर जाता है। जिससे ग्यासुद्दीन तुगलक की मृत्यु हो जाती है। 1325 ई० में।

ग्यासुद्दीन के बाद उसका बेटा जुना खाँ गद्दी पर नाम बदलकर बैठा → [redacted] [redacted]

→ # महोमद बिन तुगलक # (1325-1351 तक)

सबसे पढ़ा लिखा शासक | 26 साल तक शासन

इसे मूर्ख शासक और रक्तपीपासु भी कहा जाता है।

इसने राजधानी → दिल्ली से दौलताबाद (महाराष्ट्र में) ले गया। फिर इसी ने द्वोबारा दौलताबाद से राजधानी दिल्ली स्थापित की।

इसने सोने-चान्दी के सिक्को को बन्द करवा दिया। और इसकी जगह → तांबा-पीतल के सिक्को का प्रचलन किया। तांबा-पीतल के सिक्को को लोगो ने घर पर बनना शुरू कर दिया और इसने द्वोबारा फिर से सोने-चांदी के सिक्को को प्रचलीत किया इससे बहुत बड़ा नुकसान हुआ।

दीवान-ए-कोही की स्थापना महोमद बिन तुगलक ने की थी।

↳ ये कृषि का विभाग था।

Class 08

इसने कराचिल में सेना भेजी जो हिमालय में था। और यहा इसकी सेना जंगलों में गायब हो गई। सेना को यहाँ लूट-पाट के लिए भेजा था

इसने खुरासान में सेना भेजी जो मध्य एशिया मे था- लूट-पाट के लिए। इसने सेना को एक वर्ष का वेतन भी पहले ही दे दिया खुरासान में सोना-चांदी कुछ भी नही मिला। और सैनिक भी वापिस नही आए पहले ही वेतन मिलने के कारण।

इसने दोआब में (दो नदीयो के बीच का इलाका) कर (TAX) की वृद्धि करदी लेकिन कर की वृद्धि होते ही अगले 6 साल तक वर्षा ही नही हुई और सुखा पड़ने के कार लोग कर नही दे सके। इसका ये काम भी असफल हुआ। महोमद बिन तुगलक ने 5 कार्य शुरु किए इनमे से एक भी सफल नही हुआ। इसीलिए इसे मुर्ख शासक कहा जाता है।

इसके शासनकाल मे अफ्रीका महाद्वीप के मोरक्को देश से एक अफ्रीका यात्री इब्नबतुता 1333 ई० में भारत आया था और इसने एक किताब लिखि जिसका नाम रेहला था

महोमद बिन तुगलक के समय में भारत का पहला स्वतंत्र समाज्य बना था → जो 1336 ई० मे दक्षिण भारत में → विजयनगर के नाम से स्थापित हुआ। इसके संस्थापक दो भाई → हरिहर + बुक्का थे। विजयनगर (1336-1665 तक चला) इसकी राजधानी हम्पी (कर्नाटक) थी जो तुंगभद्रा नदी के किनारे बसी थी।

विजयनगर में 04 वंशो ने राज किया

1 संगम वंश
2 सुलुव वंश
3 तुलुव वंश → कृष्णदेवराय (प्रथम) इसने एक किताब लिखि → अमुक्तामाल्यद ग्रंथ
↳ सबसे प्रतापी राजा था इन्ही वर्षो में भाषा तेलगु थी।
4 अरावीडु वंश

H.S.S.C Clerk में

1351 ई० मे महोमद बिन तुगलक मृत्यु हो गई → थट्टा नामक जगह पर हुई (पाकिस्तान) मे [महोमद गुजरात से वापिस लौट रहा था, इसकी मृत्यु बीमारी होने के कारण हुई थी।

[फिरोज शाह तुगलक] (1351-88 तक)

↳ राज्याभिषेक २ बार → पहला → थट्टा (Pak)
दूसरा → दिल्ली मे (IND)

महोमद बिन तुगलक का चचेरा भाई → फिरोज शाह तुगलक

फिरोज शाह को दिल्ली सलतनत का अकबर भी कहा जाता है इसके कार्यो के लिऐ (इतिहासकारो ने कहा था)

[फिरोज शाह के कार्य] # [02 भागो मे बाटा गया है

1. [आर्थिक कार्य] # 2 # [प्रशासनिक कार्य] #

- आय → राष्ट्रीय आय का आंकलन किया (साल भर की आय का लिखित रूप)
- कर (TAX) → २४ कर बन्द किए → 5 नए कर लागु किए → जकात, खैराज, जाजिया, खुम्श, हक-ए-शर्ब।
- सिक्के → २ सिक्के जारी किए
  - I → अधा → बड़ा सिक्का
  - II → मिश्र → छोटा सिक्का
  - → दोनो तांबे-पीतल के मिश्रण से बने थे

# जकात	→	मुस्लमानो पर कर
# खैराज	→	जमीन पर कर
# जाजिया	→	गैर मुस्लमानो पर कर (ब्राह्मणो पर)
# हक-ए-शर्ब	→	सिंचाई पर कर
# खुम्श	→	लुट के समान पर कर

#2 # [प्रशासनिक कार्य] #

- नगर → 300 नगर बसाए - 5 प्रमुख थे → फिरोजाबाद (UP), फिरोजपुर (पंजाब), जौनपुर (UP), फतेहाबाद (हरियाणा) (1352 ई०), हिसार → 1354 ई० (हरियाणा)
- भवन → रोजगार कार्यलय, अस्पताल, मैरिज ब्यूरो, कुतुबमीनार की पांचवी मंजिल बनाई
- विभाग → दीवान-ए-खरात → दान इक्कठा किया जाता था और इसमे रखता था
  → दीवान-ए-बन्दगान → दास इक्कठे किए जाते थे (1,80,000 दास थे)
- नहर → भारत में नहरो का विकास। हरियाणा मे नहरे इसी ने शरू करवाई

1388 ई० मे फिरोजशाह तुगलक की मृत्यु हो जाती है

Class 04 History

तुगलक वंश का 5 शासक

↓

[निसरुदीन महमूद तुगलक] → (1388 – 1412 ई०)

फिरोज शाह का पुत्र ↓ [निसरुदीन महमूद]

- → तुगलक वंश का अंतिम शासक
- → इसके समय में 1398 ई० तैमूर का आक्रमण हुआ। ★

तैमूर ईरान से था और 1.5 लाख हिन्दुओं को मारकर चला गया

तैमूर 1399 ई० मे वापिस चला जाता है और भारत मे अपने सेनापति

खिज्र खाँ | → तैमूर का सेनापति ★

निसरुदीन महमूद तुगलक कि मृत्यु → 1412 ई० मे हो जाती है। 2 साल तक सिंहासन खाली रहता है लेकिन तुगलक वंश चलता रहता है इसीलिए 1414 तक तुगलक वंश चलता है।

1414 ई० में खिज्र खाँ ने सिंहासन पर कब्जा किया। और सैय्यद वंश की नींव डाली

दिल्ली वंश का चौथा वंश → # [सैय्यद वंश 1414 – 1451 तक]

- → ये पहला सिया मुस्लिम वंश था
- → इस वंश में चार शासक थे

1 → खिज्र खाँ → 1414 – 1421 तक
2 → मुबारक शाह → 1421 – 1434 तक
3 → महोमद शाह → 1434 – 1444 तक
4 → आलम शाह → 1444 – 1451 तक

सैय्यद वंश का स्थापक → खिज्र खाँ ★
तैमूर का सेनापति → खिज्र खाँ
पहला सिया शासक → खिज्र खाँ
रैय्यत – ए – आला उपाधी → खिज्र खाँ

खिज्र खाँ		मुबारक शाह		महोमद शाह		आलम शाह
(1414 – 1421) सैय्यद वंश का संस्थापक, सिया मुसलमान, तैमूर का सेनापति ★ रैय्यत – ए – आला की उपाधी ली थी	→ पुत्र	(1421 – 1434) किताब लिखि ↓ तारिख – ए – मुबारकशाही ★	→ पुत्र	(1434 – 1444) इसने ↓ बहलोल लोदी को खान – ए – खाना की उपाधी थी (बेटे जैसा)	→ पुत्र	(1444 – 1451) ↓ बहलोल लोदी इससे मिलने दिल्ली आया तो डर कर बदायूं भाग गया। वापिस नही आया। बहलोल ने दिल्ली पर आसानी से कब्जा कर लिया ★

बहलोल लोदी सुन्नी मुसलमान था
लाहौर पर लोदी ने कब्जा कर रखा था

दिल्ली सलतन का 5 वा वंश (आखरी वंश)

लोदी वंश
1451 — 1526 तक
↓
पहला अफगान वंश

मुस्लिम
- शिया
- सुन्नी
  - कट्टर होते है
  - मुगल, तुर्की, पठान, अफगान, अरबी

मुसलमानो मे अन्तर

बहलोल लोदी 1451 — 1488

लोदी वंश का संस्थापक → बहलोल लोदी (1451 – 1488) → खान – ए – खाना

बहलोल नाम से → सिक्के जारी किए

पहला अफगान शासक था

1488 मे बहलोल की मृत्यु हो जाती है।

फरगना ( )
→ उमर शेख मिर्जा
पुत्र ↓
1483 (बाबर) का जन्म
1494 → उमर शेख मिर्जा (मृत्यु)
11 वर्ष की आयु मे बाबर राजा बना

सिकन्दर लोदी 1488 – 1517 तक

गज – ए – सिकंदरी → लागू किया ☆

गुलरुखी – कलम – से कविताए लिखता था ☆

1504 ई० → आगरा की स्थापना की ☆

1517 में सिकंदर लोदी की मृत्यु हो जाती है।

इब्राहीम लोदी 1517 – 1526 # ☆

काबुल बाबर
12000 सैनिक

पंजाब – गवर्नर → दौलत खाँ लोदी

इब्राहीम लोदी
1517–1526
खातोली युद्ध
राणा — लोदी ×

मेवाड़ (रा०)
↓
संग्राम सिंह | था |
राणा सांगा | राजपुत
- 80 घाव थे
- 1 आख | 1 हाथ | 1 पैर | नही थे |
→ 35000 सैनिक थे

लोदी वंश का अंतिम शासक ☆

दिल्ली सलतनत का अंतिम शासक ☆

1 लाख सैनिक थे इसके पास

1517 – 18 मे इब्राहीम लोदी ने अपनी सेना को भेजा मेवाड़ और उनकी सेना ने खातोली दुर्ग पर कब्जा कर लिया। यहा से राणा सांगा ने अपनी सेना को भेजा और इब्राहीम लोदी की सेना को बुरी तरह से हराया इसे → खातोली का युद्ध कहा जाता है।

राणा सांगा और दौलत खाँ ने काबुल के राजा को आमंत्रित किया। दिल्ली पर कब्जा करने के लिए

काबुल का शासक → बाबर | जहिरुद्दीन बाबर | था

बाबर के पास 12000 सैनिक थे।

Class 10 History

फरगाना

राजा → उमर शेख मिर्जा | माँ | गुलरुख बेगम

पिता → तैमूर वंशज ☆
माता → चंगेज खाँ वंशज ☆
बेटा → जहीरुद्दीन (बाबर)

☆ पुत्र → बाबर 1483 में जन्म ← जहीरुद्दीन बाबर

1494 में उमर शेख की मृत्यु हुई

11 वर्ष की आयु में बाबर राजा बन गया

कुछ दिनों बाद बाबर के चचेरे भाइयों ने इसे फरगाना से निकाल दिया। और बाबर अफगान पहुँच जाता है। जहाँ आकर सेना इकट्ठी करता है। और 1507 में काबुल पर आक्रमण करता है। और उसे जीतकर काबुल का बादशाह बन जाता है।

बाबर ने काबुल में बादशाहत के समय ही भारत पर चार बार आक्रमण कर चुका था। बिना आमन्त्रण के ये आक्रमण इसने लूट-मचाने के लिए किए थे → 1519 → भेरा (PoK) में पहला आक्रमण)

लूट-पाट करने के लिए →
- → 1520 → भेरा नाम की जगह पर युसुफजई जाति पर
- → 1524 →
- → 1524 → पंजाब के कुछ गाँवों को लूट चुका था

1526 ई० में बाबर ने 5 वां आक्रमण किया → ये पानीपत की पहली लड़ाई थी (21 APRIL 1526 ई०) [बाबर और इब्राहीम लोदी के बीच] ★

बाबर ने युद्ध में तुलगमा नीति अपनाई। और युद्ध में तोप का इस्तेमाल किया → दो तोपची थे → अली, मुस्तफा

2 घण्टे 30 मिनट में बाबर ने इब्राहिमी लोदी को सेना के साथ मार दिया।

दिल्ली सल्तनत का एक मात्र शासक जो युद्ध में मारा गया → इब्राहीम लोदी

★ # मुगल वंश 1526 - 1857 तक #

1529 ई० → घाघर का युद्ध
बाबर और महमूद लोदी

मुगल वंश का संस्थापक → बाबर [राणा सांगा को हराकर गाजी की उपाधि ली]

1527 ई० - खानवा का युद्ध (बाबर और राणा सांगा) ⇒ इस युद्ध में बाबर ने जेहाद का नाम दिया

1528 ई० → चन्देरी का युद्ध (बाबर और मेदनी राय)

1530 मे बाबर का बेटा हूमायु बीमार हुआ। लेकिन ठीक हो गया

1530 मे बाबर को गले की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। ये ही बिमारी हुमायु को भी हुई थी।

बाबर की मृत्यु → आगरा मे हुई। लेकिन मकबरा काबूल में है।

बाबर की आत्मकथा → बाबरनामा तुर्की भाषा मे

↳ इसका फारसी मे अनुवाद → अब्दुल रहीम ने किया था

बाबर को पहले आगरा मे दफनाया गया था। बाद मे इसे फिर से काबूल मे दफनाया गया

काबूल का मकबरा अकबर ने बनवाया था

बाबर ने शासन → 1526 – 1530 तक शासन किया

(हूमायू (बाबर का पुत्र
1530–40, 1555–1556 #

हुमायु ने गद्दी पर बैठते ही साम्राज्य का बटवारा कर दिया

हुमायु के तीन और भाई थे, कामरान, हिन्दाल, अस्करी।

- कामरान को → काबूल दिया
- हिन्दल को → मेवाड़ दिया
- अस्करी को → सम्भल दिया

हूमायु स्वंम दिल्ली के सासन पर बैठाकर राज करना शुरू करता है

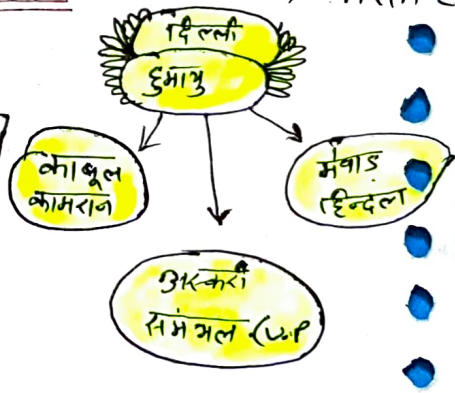

हुमायु ने → दीनपनाह नगर बनवाया = 1533 में

हुमायु ने → शेरमण्डल नामक लाइब्रेरी बनवाई

हुमायु को इतिहास मे सतरंगी कहा गया

हुमायु सप्ताह मे सातो दिन अलग-2 कपड़े पहनता था।

हुमायु के समय – बिहार का गवर्नर → शेर खाँ था

1539 मे बंगाल से वापिस आते हुए बिहार मे शेर खाँ ने इसे घेर लिया।

Class 11

1539 में ही हुमायु और शेर खा के बीच चौसा का युद्ध # होता है।

इस युद्ध मे हूमायु हार जाता है। और भागकर गंगा नदी मे कुद जाता है। गंगा में नाव चलाने वाले ने इसकी जान बचाई जिसका नाम → निजामुदिन भिस्ती (नाविक) था। और इसे आगरा (दिल्ली) ले गया। वहा जाकर हुमायु ने इसे एक दिन का शासक बना दिया लेकिन निजामुदिन भिस्ती ने रातो-रात → चमड़े के सिक्के चलवा दिए

ये हुमायु के समय मे → ये सिक्के शरु हुए थे।

हूमायु ने अपना बदला लेने के लिए तोप लेकर शेर खा पर चढ़ाई करता है। → 1540 कनौज का युद्ध। इस युद्ध मे भी हुमायु हार जाता है। और हुमायु भारत छोड़कर भाग गया। वह भागकर अपने भाई कामरान (काबूल) के पास पहुचता है। लेकिन कामरान इसे यहा से धक्के मारकर निकाल देता है। फिर यह अपने भाई हिन्दल (मेवाड़) के पास पहुचता है। हिन्दल इसे अपने पास रख लेता है। लेकिन यहा हुमायु गड़बड़ कर देता है। → हिन्दल के गुरु थे मीर कासीम और मीर कासिम की एक बेटी थी जिसका नाम → हमिदा बानो बेगम था = 1541 # हमिदा बानो बेगम से हुमायु शादी कर लेता है। यह देकर हिन्दल इसे यहा से निकाल देता है। अब हुमायु हमिदा बानो को लेकर अमरकोट (पाकिस्तान) मे पहुचता है। जहा हुमायु का दोस्त हिन्दु शासक वीरसाल था हुमायु यही पर रहता है। और यहा उसे [redacted] को हमिदा बानो से एक पुत्र की प्राप्ती है। ~~जिसका~~ जिसका नाम था → अकबर

15 Oct 1542 को अकबर का जन्म होता है। अमरकोट → वीरसाल के घर

हुमायु 1555 में वापिस भारत आता है। और ~~यहां आकर~~

1555 में एक युद्ध होता है। जिसे मच्छीवाड़ा (→ पंजाब) का युद्ध कहते है।
या। सरहिन्द का युद्ध। और इस युद्ध में हुमायु जीत जाता है।

इस युद्ध में हुमायु ने शेर खाँ के उत्तराधिकारीओं को हराया था

हुमायु का दूसरा शासन काल = 1556 में फिर से गद्दी पर बैठा

1556 में पुस्तकालय से गिरकर इसकी मृत्यु हो गई

[शेरशाह सूरी / # शेर खां। (अफगान)] ← छोड़ा सा पिछे चलते है। 15 साल का पिछे

सासाराम (बिहार)
↓
हसन खा
↓
फरीद खां (शेर + लोमड़ी) शेर जैसा जिगर व लोमड़ी जितना चालाक
↳ एक शेर का शीकार

हुमायु के भाग जाने पर दिल्ली की गद्दी
[15 साल शेरशाह सूरी द्वारा शासन]

- बिहार का गवर्नर → बहार खां लौहानी
  ↓
  इसने फरीद खाँ को बुलाया और शेर खाँ की उपाधी दी थी
- बहार खाँ लौहानी की मृत्यु → शेर खाँ गवर्नर बना बिहार का

चौसा → 1539
कनोज → 1540
\> हुमायु और शेर खाँ के बीच युद्ध
हुमायु हार गया। शेर खाँ जीता था।

[सूरी वंश 1540 – 1555] # 2 अफगान वंश था

सूरी वंश का संस्थापक → शेर शाह सूरी (1540 – 1545 तक)

सूरी वंश दूसरा अफगान वंश था। इससे पहले लोदी वंश पहला अफगान वंश था

Class 12

शेर शाह के समय → 1540 में पदमावत की रचना हुई थी
└→ मालिक महोमद जायसी ने की ★

1541 में शेर शाह पाटलीपुत्र जाता है और इसका नाम → पटना कर देता है। (पाटलीपुत्र → पटना → शेरशाह सूरी = 1541 में)
└→ (बिहार) की राजधानी

शेरशाह के कार्य

→ दो सिक्के = चांदी | तांबा | ⇒ चांदी → रुपया, तांबा → दाम

- → डाक व्यवस्था लागू की थी / शुरू की थी।
- → पट्टेदारी (ठेकेदारी) व्यवस्था शुरू की थी [खेती के ठेके पे दिया
- → गज को स्थाई कर दिया
- → दिल्ली में पुराना किला का निर्माण करवाया ☆
- ☆ → शेरशाह ने जी.टी. रोड बनवाया / शेर शाह सूरी मार्ग
  - → अमृतसर से दिल्ली से कोलकाता | NH 1, NH 2 └→ NH 44 → वर्तमान में
- → सराय बनवाए | हर 2.5 Km पर

इन सरायो को कोस मीनर भी कहा जाता है।

1545 में → कालिंजर किला (U.P) में। अभियान के दौरान तोपखाने विस्फोट हो गए जिससे इसकी मृत्यु होगई ★
└→ कालिंजर का राजा → कीरत सिंह था

जिस तोप के फटने से शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई उस तोप का नाम → उक्का तोप था। ★

☆

शेर शाह के उत्तराधिकारी

पुत्र → इस्लाम + सिकंदर सूरी = अफगानी कहा जाता
→ 1545 से 1555 तक 10 साल Time Pass चला था
★ → 1555 में मच्छीवाड़ा का युद्ध = (हुमायु — अफगानी) में
↳ पंजाब में है।

1556 में हुमायु की मृत्यु हुई। अकबर काबूल में था

अकबर को काबूल से बैरम खाँ लेने गया। इस मौके का फायदा उठाया → हेम चन्द्र ने / हेमू विक्रमादित्य / ने दिल्ली की गद्दी को कब्जा लिया। दिल्ली के सिंहासन पर बैठने वाला आखरी हिन्दू शासक था।
7 Oct 1556 → हेम चन्द्र
↳ (रेवाड़ी) का राजा था

कालानौर (PAK) मे अकबर का राज्य अभिषेक कर दिया गया अकबर की उम्र = 14 वर्ष थी।
↳ हिन्दू परंपरा के तहत हुआ था।

5 Nov 1556 पानीपत की दूसरी लड़ाई हुई = अकबर और हेमू
अकबर की तरफ से लड़ाई बैरम खाँ ने की थी। इस युद्ध मे हेमू हार जाता है और मारा जाता है।

इस युद्ध के बाद अकबर तीसरा मुगल शासक है जो दिल्ली की गद्दी पर बैठा था

नोट = चन्द्रगुप्त / विक्रमादित्य की उपाधी धारण करने वाला पहला शासक → चन्द्रगुप्त द्वितीय था ★
380—413 ई० पू० द्वितीय 2nd

हेम चन्द्र / हेमू → विक्रमादित्य की उपाधी धारण करने वाला आखरी शासक था

☆ # अकबर 1556–1605 मुगल वंश / तीसरा मुगल बादशाह

बचपन का नाम ⇒ जलाल

भारत के इतिहास में सबसे लम्बा कार्यकाल = 50 साल तक

अकबर के समय को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है।

1556 – 1560 तक अकबर बैरम खाँ के संरक्षण में रहा क्योंकि वह 14 वर्ष का था जब सिंहासन पर बैठा था।

1560 में अकबर स्वतंत्र शासक बनता है। तो बैरम खाँ विद्रोह कर देता है। इस विद्रोह शान्त करने के लिए बैरम खाँ को अकबर ने हज यात्रा / मक्का मदीना / में भेज दिया। इस यात्रा पर जाते समय पाटन (गुजरात) में बैरम खाँ की मृत्यु हो गई। → मुबारक खाँ ने की थी

बैरम खाँ की पत्नि → सलीमा बेगम।

बैरम खाँ का बेटा → अब्दुल रहीम।

अकबर → सलीमा बेगम से शादी कर ली / अब्दुल रहीम अकबर का बेटा कहलाया।

1562 → दास प्रथा को समाप्त किया

1563 → तीर्थ यात्रा कर समाप्त किया

1564 → जजीया कर समाप्त किया

☆ 1575 में इबादत खाने बनवाए थे अकबर ने

1569 → सलीम का जन्म

1571 → फतेहपुर सिकरी (U.P) शहर बसाया

1573 → आगरा का ~~किला~~ लाल किला बनवाया

1576 → हल्दी घाटी का युद्ध (अकबर की तरफ से मानसिंह + / मेवाड़ का राजा महाराणा प्रताप /

1581 → मनसब दारी शुरु की

1582 → दीन-ए-ईलाही धर्म (बीरबल ने इसे अपनाया था ☆ जो हिन्दू था। (एक मात्र)

1602 बुलंद दरवाजा   गुजरात जीत की खुशी में | पहली बार समुन्द्र को देखा था अकबर ने यहा पर|

1605 = मृत्यु - आगरा में | और इसे सिकंदरा में दफनाया गया
सिकंदरा में इसका मकबरा है|

अकबर के नौ रत्न | नवरत्न

अकबर अनपढ़ शासक था — I.M.P

1. अबुल फजल → ने = अकबर नामा पुस्तक लिखी |
2. फैजी → कवि = लीलावती पुस्तक (गणित की)
3. अब्दुल रहीम → शिक्षक = बाबर नामा का फारसी में अनुवाद
4. मानसिंह → महासेनापति (1576 हल्दी घाटी का युद्ध)
5. टोडरमल → राजस्वमंत्री
6. तानसेन → संगीतकार
7. बीरबल → हाजिर जवाब + सलाहकार
8. फकीर → सेनानायक
9. मुल्ला दो प्याजा → सलाहकार + वारिष्ठ

Class 13

जहाँगीर 1605-1627 → सलीम, शेख बाबा

1605-1627 → सलीम जहांगीर के नाम से गद्दी पर बैठा

जन्म = 1569 में
बेटा = अकबर + हरका बाई मरियम उनकरबा का |

जहाँगीर (सलीम) के समय को चित्रकला का स्वर्ण युग माना जाता है

पत्नि			
1585	मानबाई	बेटा	खुसरो
1590	जगत गोसाई	"	खुर्रम
1611	नूरजहाँ	?	कोई बेटा नहीं

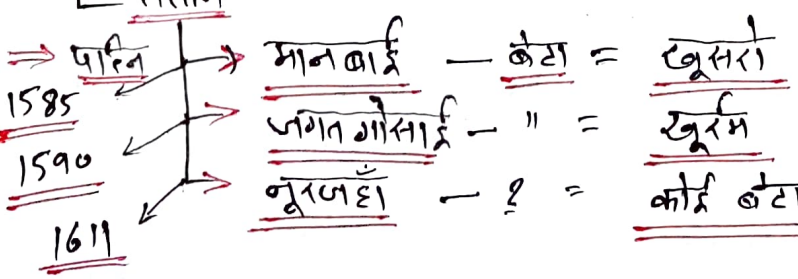

जगत गोसाई का नाम जोधा बाई था जो सलीम की पत्नि थी

इसने शराब को बन्द करवाया था

1606 → खुसरो ने विद्रोह किया

- ↳ सहायता → 5th गुरु अर्जुन देव ने की
- → इसको अन्धा करवा दिया गया
- ↳ जहांगीर ने सिक्खों के पाँचवे गुरु अर्जुन देव को मरवा दिया

गुरु अर्जुन देव = स्वर्ण मंदिर बनवाया था (अमृतशहर में)

जहांगीर के समय चित्रकला का विकास | जहांगीर खुद भी चित्रकला का शौकिन था (हाथ लगाकर/या/सिर्फ चित्र देखकर ये बता देता था किसने चित्र में क्या-२ बनाया है।

जहांगीर ने न्याय के लिए सोने की जंजीर उस पर घंटी लगवाई इसे न्याय की घंटी कहा गया

↳ इसमे 60 घंटीया लगी थी

1609 में जहांगीर के समय पहला अंग्रेज आया। जिसका नाम विलियम हाकिंस था जहांगीर ने इसे व्यापार करने से मना किया

1615 में दूसरा अंग्रेज = टामस रो → जहांगीर ने इसे व्यापार की इजाजत दे दी

1627 में लाहौर मे इसकी मृत्यु हो गई। जहांगीर का मकबरा लाहौर (पाकिस्तान) में है।

जहांगीर की आत्म कथा → तुजुक-ए-जहांगीरी

भारत के इतिहास का स्वर्ण युग → गुप्त काल → 240-540 ई०पू०

सिक्कों का स्वर्ण युग → गुप्त काल

हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग → अकबर काल

संस्कृत साहित्य का स्वर्ण युग → गुप्त काल

वास्तु कला का स्वर्ण युग → शाहजहाँ

* मुगल काल का स्वर्ण युग → शाहजहाँ

चित्र कला का स्वर्ण युग → जहाँगीर

महत्वपूर्ण स्वर्ण काल

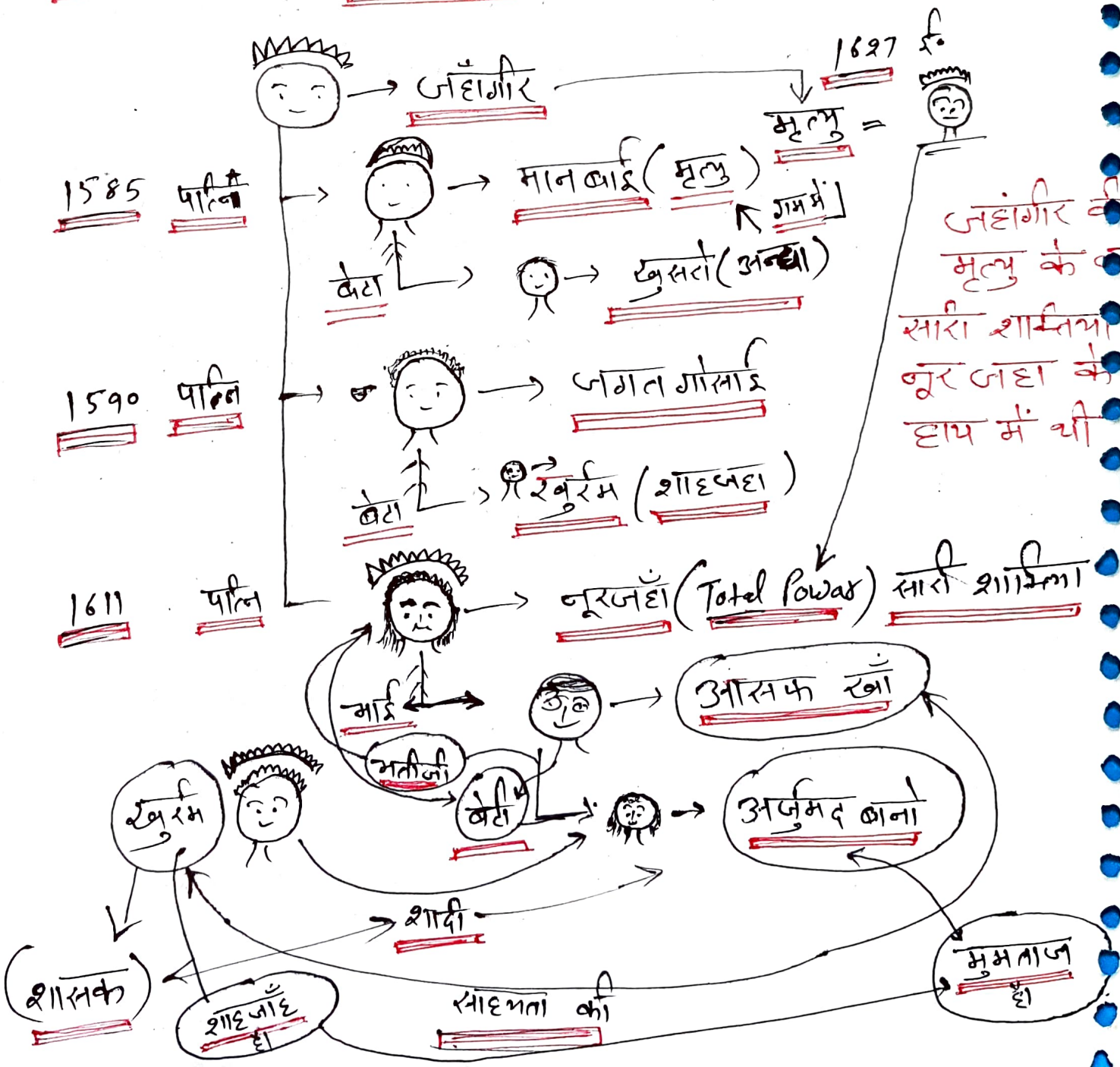

खुर्रम
शाहजहाँ
1627 — 1658

→ वास्तुकला का स्वर्ण युग ★
→ मुगल काल का स्वर्ण युग ★

शाहजहाँ के नाम से गद्दी पर बैठता है।
- पत्नि का नाम = अर्जुमंद बानो से → मुमताज कर दिया जाता है।
- प्रधानमंत्री = आसफ खाँ (शाहजहाँ का ससुर)

नूरजहाँ को (जहाँगीर की पत्नि) को 2 लाख रुपय पेंशन देकर लाहौर भेज दिया। ताकि राजनीति ना कर सकें।

शाहजहाँ आगरा के लाल किले से अपना शासन शुरु करता है।

1631 में मुमताज की मृत्यु हो गई (जब वो 14वें बच्चे को जन्म दे रही थी | प्रसव पीड़ा से मृत्यु हुई थी।)

★ 1631 मे मुमताज की याद में यमुना नदी के किनारे ताजमहल का निर्माण शुरु करवाया
- वास्तुविद → ईशा खाँ ★
- वास्तुकार → उस्ताद लाहौरी | अहमद लाहौरी
- संगमरमर → मकराणा (राजस्थान से) मंगवाया
- समय → 22 साल लगें
- खर्च → 1 करोड़ आया

1653 में तैयार

1638 में शाहजहाँ अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली कर लेता है।

दिल्ली आने के बाद
- शाहजहाँनाबाद (पुरानी दिल्ली) बसाई ★
- दिल्ली का लाल किला ★
- जामा मस्जिद
- मयूर सिंहासन (तख्त-ए-ताऊस) → वास्तुकार = बेबादल खाँ | कोहीनूर लगा हुआ था इसमें।

★ Imp

1657 मे शाहजहाँ = बीमार हो जाता है। आगरा में

4 बेटे →
- बेटा → (दारा शिको) आगरा में
- मुराद (गुजरात में)
- शुजा (बंगाल में)
- औरंगजेब (दक्कन में) ☆

☆ # संस्कृत उपनिषदों का फारसी मे अनुवाद → दारा शिको ने करवाया

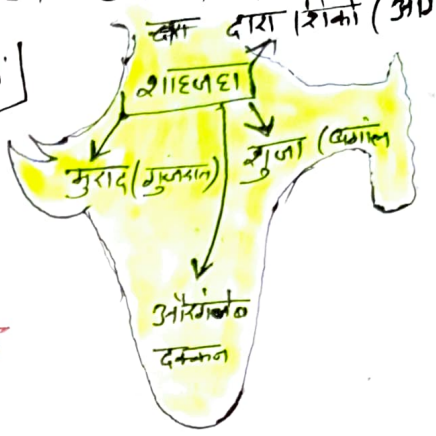

शाहजहाँ से मिलने जाने के लिए औरंगजेब अपने दो भाईयों को बुलाता है। मुराद व शुजा = इन दोनों को रास्ते में ही औरंगजेब मार डालता है।

शाहजहाँ के जिते जी ही दो युद्ध हुए

वर्ष 1658 → धरमट, व सामुगढ़ दो युद्ध (APRIL/MAY)

दारा VS औरंगजेब

इन दोनों युद्ध में दारा शिको हार गया। औरंगजेब जीता।

दारा शिको दिल्ली भाग गया आगरा से। और दिल्ली पर कब्जा कर लिया

औरंगजेब ने अपने पिता को कैद कर के आगरा के लाल किले मे रखा

→ शाहजहाँ (जेल में)
- → जेल मे ही इसकी मृत्यु हो जाती है।
- → 1658- 1666 तक कैद रहता है।
- → इसको ताजमहल मे दफनाया गया
- → अपना मकबरा खुद बनवाया था

मुगल

औरंगजेब 1658–1707
→ जिंदा पीर / आलमगीर कहा जाता है।
→ जन्म 1618 में [दूसरे नं० पर सबसे लम्बा शासन; पहला → अकबर]

→ 1658 में आगरा की गद्दी पर बैठा
→ 1659 में देवराई की लड़ाई (दारा + औरंगजेब) — दारा ✗ हारा, औरंगजेब ✓ जीता
दिल्ली पर कब्जा किया
→ दिल्ली की लड़ाई भी कहा जाता है

दूसरा ताजमहल / बिबी का मकबरा भी कहा जाता है। → 1660–61 (2nd ताज महल) बनवाया → औरंगजेब
↓
1618 में जन्म
1636 में दक्कन गवर्नर
शादी → दिलरास बानो बेगम
मृत्यु → 1657 में

→ औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
इसी ताज महल को बिबी का मकबरा भी कहते हैं। ये औरंगजेब ने अपनी पत्नि की याद में बनवाया

त्यौहार बंद → झरोखा दर्शन बंद किया (एक राजा खिड़की पर जनता के सामने आना)
हिन्दु त्यौहार बंद किए
संगीत बजाना बंद किए
नौरोज त्यौहार बंद किए
तुला दान – बंद किया (राजा के जन्म पर राजा को रुपयों में तोलना)

☆ जजीया कर → औरंगजेब ने जजीया कर वापिस लागु किया = 1669/1679
→ गैर मुस्लीमों पर
या तो जजीया कर दो या मुस्लमान बनो
→ 9th गुरु तेग बहादुर इस्लाम स्वीकार नहीं किया
→ 1675 में हत्या करवा दी गई
→ जहाँ इनकी गर्दन कटी दिल्ली में
☆ वहाँ पर शीश गंज गुरुद्वारा बनाया गया है।

1707 में 90 वर्ष की आयु में औरंगजेब की मृत्यु हो जाती है।
→ मकबरा = औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

| Class 16 |

औरंगजेब के बाद मुगलों का पतन = 1707 – 1857 तक

1. बहादुर शाह प्रथम → 1707 – 1712 = दूसरा नाम → शाह आलम प्रथम → 63 वर्ष आयु
2. जहाँदार शाह – 1712 – 1713 = अयोग्य शासक
3. फर्रुखशीयर – 1713 – 1719 =
4. महोमद शाह रंगीला – 1719 – 1748
5. अहमद शाह – 1748 – 1753
6. आलमगीर द्वितीय – 1753 – 1759
7. शाह आलम 2nd – 1759 – 1806
~~बहादुर शाह जफर~~
8. अकबर 2nd – 1806 – 1837
9. बहादुर शाह जफर – 1837 – 1857

बहादुर शाह प्रथम / शाह आलम प्रथम = 63 वर्ष आयु अयोग्य शासक

जहाँदार शाह → अयोग्य शासक

फर्रुखशीयर → ईस्ट इंडिया कंपनी EIC = (हैमिल्टन D.R.) शाही फरमान = 1718 में (शाही पत्र)

→ EIC का मैगनाकार्टा
- → 10000 Rs सूरत Tax Free
- → 30000 Rs बंगाल Tax Free
- → हैदराबाद Tax Free
- → EIC – coins = Valed पूरे मुगल सम्राज्य में
- → कलकत्ता में राजस्व ले सकते हैं EIC

शाही पत्र ↓ ईस्ट इंडिया कंपनी को छूट → वर्ष कर्ज में Free

सबसे बड़ी गलती की थी फर्रुखशीयर

महोमद शाह रंगीला = 1739 करनाल का युद्ध ☆

हार → रंगीला / नादिर शाह ↓ जीता था

कोहिनूर लगा हुआ मयूर सिंहासन (100 kg Gold) तख्त-ए-ताऊस को ले गया

↓ अंतिम बार जजीया कर खत्म कर दिया

जजिया कर हटाने वाला आखरी शासक

[redacted] → करनाल के युद्ध के कारण

महोमद शाह रंगीला के समय

बंगाल स्वतंत्र हो गया = बंगाल का नवाब बना = अलीवर्दी खाँ

└→ 1740 में

└→ 1740 से 1756 तक

अगर कोहिनूर व तख्त ए ताऊस को बेचा जाए तो अनुमान है कि पूरी पृथ्वी की जनता $2\frac{1}{2}$ दिन तक खाना खा सकती है। ये दोनों ही अनमोल थी।

अहमद शाह → अयोग्य शासक

आलमगीर 2nd → इसके समय बंगाल के नवाब की मृत्यु हो गई
अलीवर्दी खां की मृत्यु

☆ बेटा / नाती → शिराजुद्दौला (1756–1757) तक बंगाल का नवाब बना = इस समय
⇓
कलकत्ता में = ईस्ट इंडिया कंपनी

शिराजुद्दौला ने अंग्रेजों से Tex लेना शुरू किया

चन्द्रनगर (बंगाल) में = फ्रांसीसी व्यापार

शिराजुद्दौला के पास = 50000 सैनिक

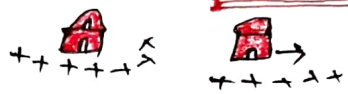

ईस्ट इंडिया कंपनी = 3200 सैनिक
→ का खास व्यक्ति जो शिराजुद्दौला की सेना में सेनापति था
→ मीर जाफर
→ अंग्रेजों का खास
→ का गवर्नर = रॉबर्ट क्लाईव

रॉबर्ट क्लाईव, मीर जाफर की दोस्ती और Tex देने से मना कर दिया

शिराजुद्दौला ने कलकत्ता किले पर कब्जा कर लिया
→ फोर्ट विलियम किला

1757 प्लासी का युद्ध = शिराजुद्दौला व रॉबर्ट क्लाईव के बीच

23 June 1757 (~~[illegible]~~)

☆ मीरजाफर (सेनापति) 50000 सैनिक — 3200 सैनिक
ने धोखा दिया → 45000 सैनिक ले गया
और शिराजुद्दौला को मार दिया गया। (मीरजाफर अपने साथ)

भारत में 23 June 1757 प्लासी की लड़ाई में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव डाली गई → रॉबर्ट क्लाईव ने

☆ आलमगीर 2nd के समय → ही प्लासी का युद्ध हुआ

बंगाल का नया नवाब → मीर जाफर (1757–1760 तक)

↳ में रॉबर्ट क्लाइव द्वैध शासन शुरू करता है।

☆

द्वैध शासन → आधा शासन = EIC
आधा शासन = नवाब
द्वैध शास

- EIC
  - गवर्नर → रॉबर्ट क्लाइव
  - TAX
  - Army
- नवाब
  - मीर जाफर
  - प्रशासन

[शाह आलम 2nd = 1759 – 1806 तक] #

1761 = अहमदशाह अब्दाली आक्रमण

14 Jan 1761 पानीपत की तीसरी लड़ाई

★ ↳ अहमद शाह अब्दाली VS सदाशिव राव

★ ↳ इस युद्ध में मराठों का पतन हो गया

★ ↳ शाह आलम द्वितीय के समक्ष

★ 22 Oct 1764

↳ बक्सर का युद्ध

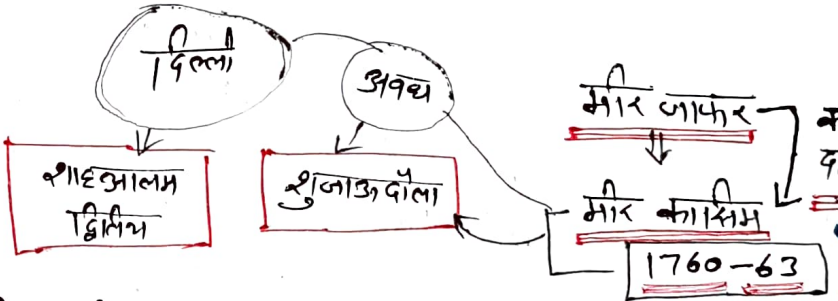

↳ शाहआलम, शुजाउद्दौला, मीरकासिम VS EIC ईस्ट इंडिया कंपनी

↳ हैक्टर मुनरो नेतृत्व कि

दिल्ली → शाहआलम द्वितीय

अवध → शुजाउद्दौला

मीर जाफर ⇓ मीर कासिम (1760–63) — का दामाद

☆ कंपनी जीत गई

↳ 1765 में इलाहाबाद की सन्धि = बिहार / बंगाल / उड़ीसा

↳ EIC को दे दिए गए

बेइज्जती → ↳ शाहआलम और अंग्रेजों के बीच अपमानजनक संधि हुई थी।

☆ [बक्सर के युद्ध में अंग्रेज ताकतवर हो गए थे।]

Class 17

अकबर 2nd → 1806 – 1837 तक

- 1828 मे ब्रह्म समाज की स्थापना → राजा राम मोहन राय
- 1829 मे सति प्रथा बन्द की गई → लार्ड विलियम बैंटिंक

(दोनो के प्रयासो से)

- 1815 मे आत्मीय सभा की स्थापना की थी
  - ↳ इसी का स्वरूप है। ब्रह्मसमाज → राजा राम मोहन राय
  - स्थापना → राजा राम मोहन राय

शासन काल = अकबर 2nd का था

बहादुर शाह जफर → 1837 – 1857 तक

- खिल्लत देना → उपहार देना किसी भी व्यक्ति को
- नजराना लेना → उपहार लेना किसी भी व्यक्ति से
- दरबार → दरबार लगाना / शाही पोसाक
- बादशाह पद → बादशाह के बाद उत्तराधिकारी
- Coins सिक्के → सिक्को का प्रचलन

ये सब अंग्रेजो ने बंद करवा दिया था

☆ # लाल किला भी खाली करवा दिया

यूरोपियो का आगमन

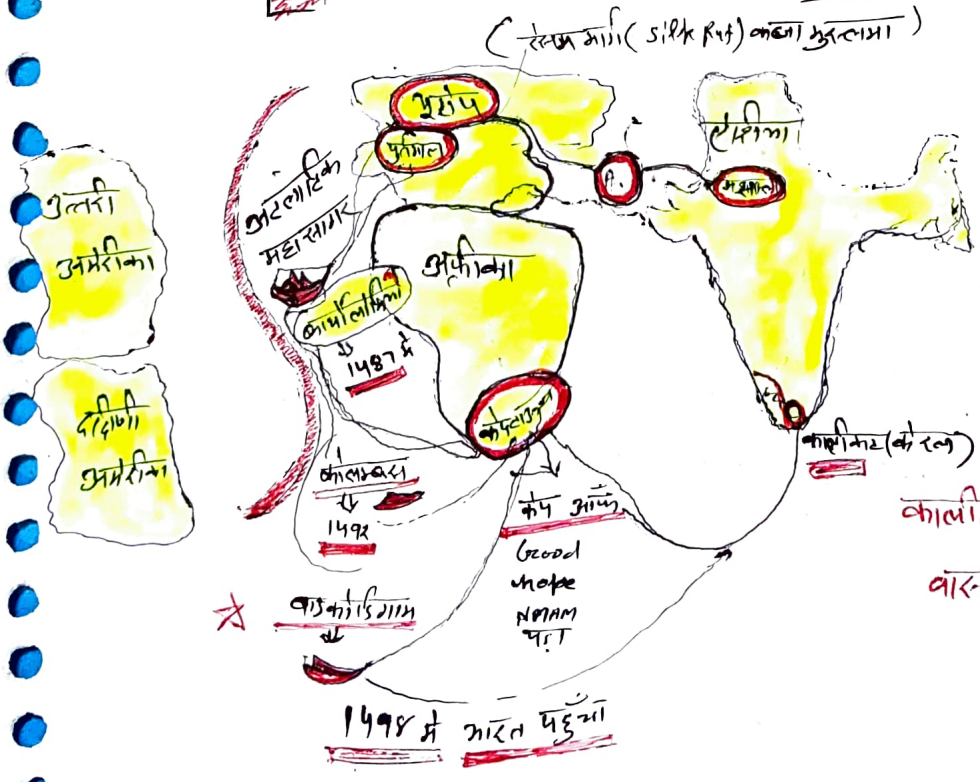

कालीकट (केरल)

वास्कोडिगामा (1498 मे)

[Class 18]

1487 में बार्थोलोमियो (पुर्तगाल से) यूरोप से केपटाउन (अफ्रीका) में पहुंचा (वहीं से वापिस)

1492 में कोलंबस (पुर्तगाल) यूरोप से केपटाउन (अफ्रीका में) पहुंचा

1498 में वास्कोडिगामा (पुर्तगाल) यूरोप से केपटाउन (अफ्रीका में) और फिर भारत के केरल में कालीकट नामक जगह पर पहुंचा

☆ 17 MAY 1498 में ☆

बंदरगाह

जमोरिन राजा ने वास्कोडिगामा का स्वागत किया था।

[भारत में यूरोपियन कंपनियां] (क्रियान्वयन के)

☆☆☆☆☆ PDEF

पुर्तगाली	डच	अंग्रेज	फ्रांसीसी
1498 में	1596	1606	1664
फैक्ट्री कोचिन	F मसुलिपटम	F सूरत	F सूरत
केरल	आन्ध्र प्रदेश	गुजरात	गुजरात

ब्रिटेन = रानी एलिजाबेथ

= 1600 में EIC

15 year Monopoly (का एकाधिकार)

भारत का राजा → (जहांगीर)

1609 → पहला अंग्रेज मुगल दरबार में → विलियम हॉकिंस

1611 में दूसरी फैक्ट्री मसुलिपटम में

फैक्ट्री → 1606 / 1608 में

1615 में दूसरा अंग्रेज मुगल दरबार में → टॉमस रो — फैक्ट्री परमिशन मिली — टैक्स / किराया

(जहांगीर) शासन काल

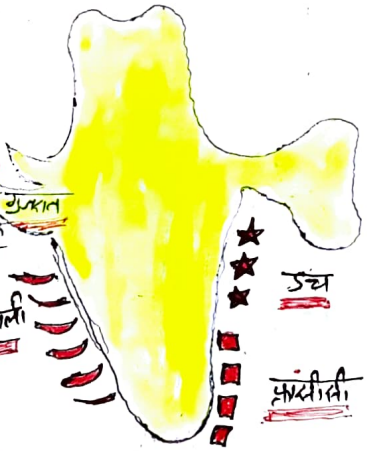

Class 19

1615 में अनुमति

1639 में मद्रास पर कब्जा किया अंग्रेजो ने डचो से छिन्ना था

1661 → यूरोप ★★

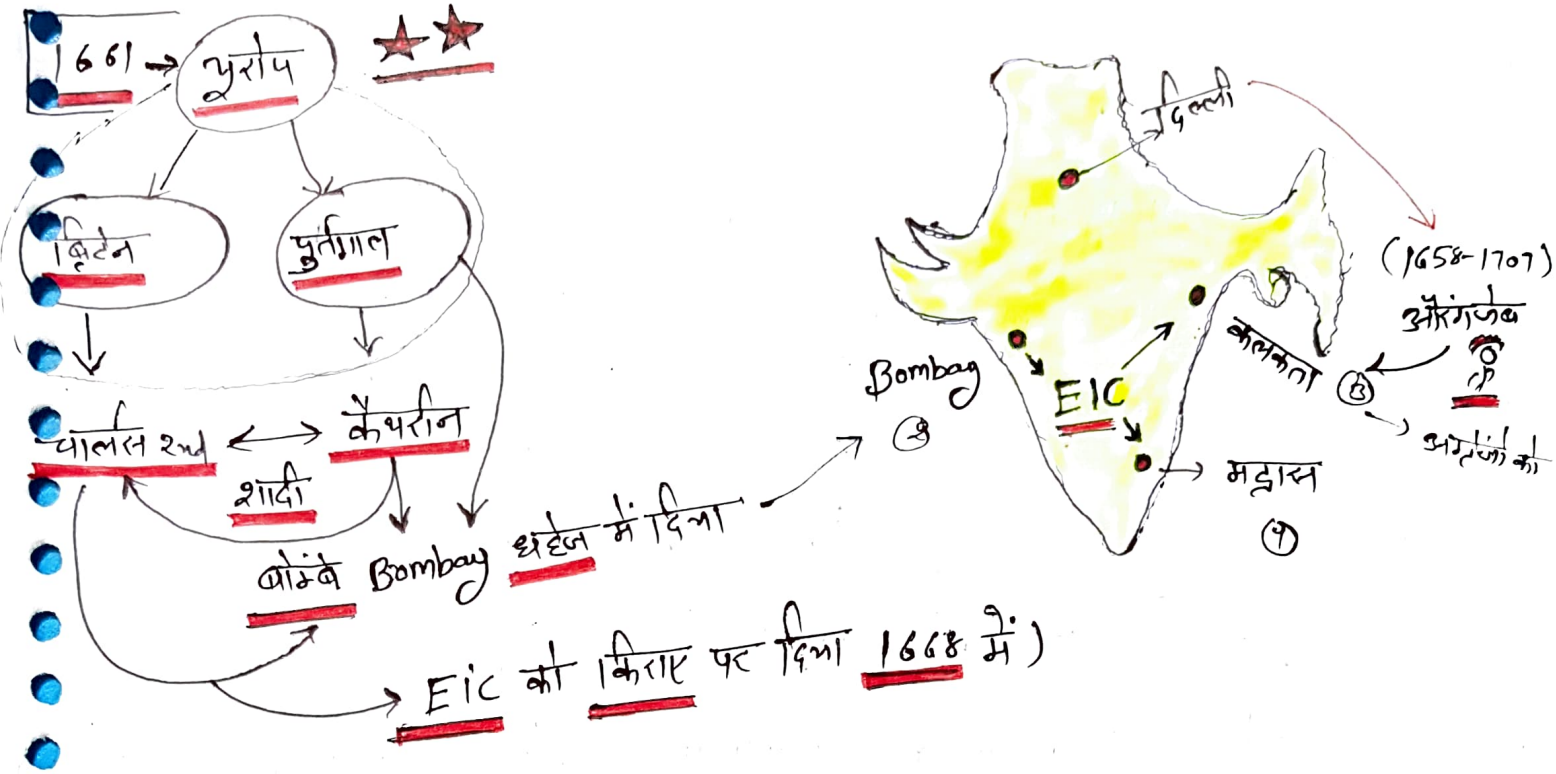

- ब्रिटेन → चार्ल्स 2nd
- पुर्तगाल → कैथरीन

चार्ल्स 2nd ←→ कैथरीन (शादी)

बोम्बे Bombay दहेज में दिया

EIC को किराए पर दिया 1668 में)

औरंगजेब ने 1690 में कलकता को अंग्रेजो को सौंप दिया (गिफ्ट में दिया था)

→ 1707 में मृत्यु हुई

- 1718 मे शाही फरमान (फर्रुखशियर ने)
- 1757 मे पलासी का युद्ध → ब्रिटिश सम्राज्य की नीव
- 1764 में बक्सर का युद्ध → अंग्रेज ताकतवर हो गए

EIC ईस्ट इंडिया कंपनी शासन + मुगल शासन

गवर्नर

1757 – 1857 तक

★ 100 साल तक शासन भारत पर

1707 – 1857 तक दिल्ली तक सीमित

Class 20

गवर्नर # पोस्ट → बदली चली गई

1757 में = बंगाल का गवर्नर → रॉबर्ट क्लाइव ☆

1773 में = बंगाल का गवर्नर जनरल → वारेन हेस्टिंग्स

1833 में = भारत का गवर्नर जनरल → विलियम बैंटिक

1858 में = भारत का वायसराय → लार्ड कैनिंग

1947 में = स्वतंत्र भारत का गवर्नर जनरल → माउंट बेटन

1773 में रेगुलेटिंग Act (कानून) आया जिसने = बंगाल के गवर्नर का पद बदलकर गवर्नर जनरल कर दिया

1833 में चार्टर Act (कानून) आया जिसने = बंगाल के गवर्नर जनरल का पद बदलकर = भारत का गवर्नर जनरल कर दिया

1858 Govt of India (भारत सरकार अधिनियम) आया जिसने भारत का गवर्नर जनरल पद को बदलकर उसका नाम = भारत का वायसराय कर दिया

1947 में भारत आजाद होने पर इसका नाम बदलकर स्वतंत्र भारत का गवर्नर जनरल हो गया

प्रश्न #

= बंगाल का पहला गवर्नर → रॉबर्ट क्लाइव

बंगाल का आखरी गवर्नर → → वारेन हेस्टिंग्स

बंगाल का पहला गवर्नर जनरल → वारेन हेस्टिंग्स

बंगाल का आखरी गवर्नर जनरल → विलियम बैंटिक

भारत का पहला गवर्नर जनरल → विलियम बैंटिक

भारत का आखरी गवर्नर जनरल → लार्ड कैनिंग

Class 21

- भारत का पहला वायसराय → लॉर्ड कैनिंग
- भारत का आखरी वायसराय → माउंट बैटन
- स्वतंत्र भारत का पहला गवर्नर जनरल → माउंट बैटन ★
- स्वतंत्र भारत का आखरी गवर्नर जनरल → चक्रवर्ती राजगोपाला चार्य ★
- स्वतंत्र भारत का पहला ब्रिटिश गवर्नर जनरल → माउंट बैटन
- स्वतंत्र भारत का आखरी ब्रिटिश गवर्नर जनरल → माउंट बैटन
- स्वतंत्र भारत का पहला भारतीय गवर्नर जनरल → चक्रवर्ती राजगोपाला चार्य
- स्वतंत्र भारत का आखरी भारतीय गवर्नर जनरल → चक्रवर्ती राजगोपाला चार्य
- भारत का आखरी गवर्नर जनरल → चक्रवर्ती राजगोपाला चार्य

★ # 1857 की क्रांति

1857 की क्रांती के कारण →
- राजनैतिक
- आर्थिक
- धार्मिक
- सैनिक
- सहायक सन्धि
- ★ हड़पनीति

⇒ 1857 का युद्ध

→ जनता परेशान → क्रान्ति = कब = नया कारण

रोटी कमल → घर-2 संदेश

राजनैतिक कारण

- बंगाल → 1757 - प्लासी ☹ नवाब (अंग्रेजों का अधिकार)
- मुगल → बहादुरशाह जफर → नजराना लेना बन्द, खिल्लत देना बन्द, दरबार लगाना बन्द,
  → मुगल सिक्कों पर रोक, लाल किले में रहना बन्द ☹ नवाब
- पेशवा →

पेशवा (प्रधानमंत्री) → बाजीराव 2nd (1817-1818) → भेज दिया गया → बिठूर → कानपुर (U.P)
→ 8 लाख पेंशन वार्षिक
मृत्यु के बाद पेंशन बन्द
→ 1853 में मृत्यु (बिठूर) → कानपुर (UP)
गोद लिया हुआ बेटा → नाना साहिब ☹ पेंशन देने से मना कर दिया अंग्रेजों ने क्योंकि ये गोद लिया हुआ बेटा था

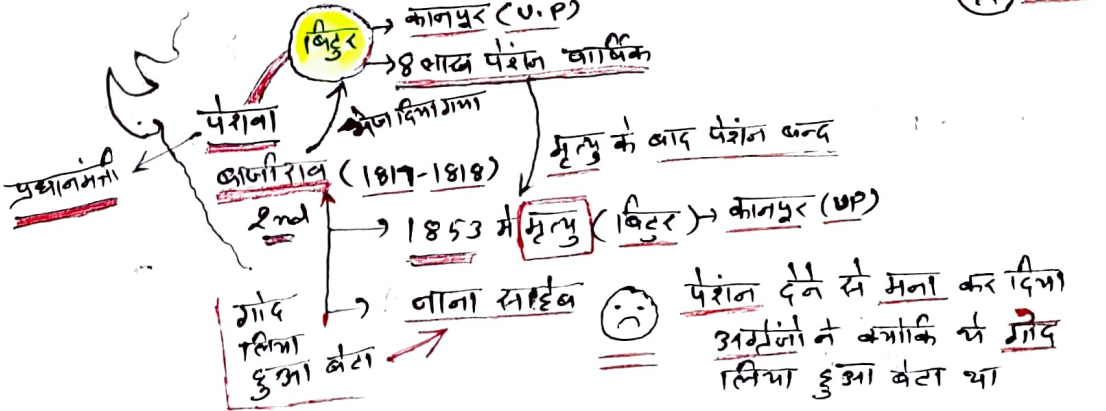

Class 22

आर्थिक कारण

I → कृषि
- 1 भू राजस्व
- II फसल

II → उद्योग

1 स्थाई बन्दोबस्त (1793 में लॉर्ड कार्नवालिस) में
- बिहार, बंगाल, उड़ीसा
- पूर्वी भारत

EIC ↔ कर 10/11

जमींदार मालिक

जमींदार	जमीन

किसान → कर

Tax

II रैयतवाड़ी बन्दोबस्त

1820 में थॉमस मुनरो

• मद्रास (बम्बई) में / द० भारत

EIC

कर 50% से 69% तक

रैयत (किसान) → जमीन के मालिक

कर सीधा किसान से

III महालवाड़ी व्यवस्था
- 1822 में
- होल्ट मैकेन्जी
- पश्चिमी भारत में
- महाल / लम्बरदार से TAX लिया जाएगा 80%

EIC
- जमींदार ×
- किसान ×

खेत	खेत	खेत

महाल / लम्बरदार

TAX 80%

→ मालिक

फसल
- खाद्य फसल → चावल, गेहूं
- औद्योगिक फसल → रेशम, नील, कपास

जबरदस्ती औद्योगिक फसल किसानों से उगवाई जाती थी। किसान परेशान थे

किसान ↓ खाद्य फसल उगाना चाहते थे

II भारत उद्योग

भारत से Ex.Port → [कच्चा पदार्थ]
- रेशम
- कपास

British Product ब्रिटिश उत्पाद

Im.Port भारत में → [तैयार माल]

F	F ×
ब्रिटिश	भारत
TAX = 2.5%	TAX = 80%

→ कुटिर उद्योग धन्धे भारत के बन्द होने लगे। क्योंकि लोग ब्रिटिश माल ज्यादा खरीदने लगे और भारत का माल TAX ज्यादा होने के कारण कम बिकने लगा

लोग ब्रिटिश माल ज्यादा खरीदने लगे TAX कम होने के कारण।

भारत के उद्योगपति

Class 23

धार्मिक कारण

★ • 1805 में = Dress Code — EIC

ड्रेस कोड लागु

हिन्दु — मुस्लिम

हिन्दु:
- तिलक नहीं लगाएँगे
- जनेऊ नहीं पहनेगा
- सैनिक

मुस्लिम:
- टोपी नहीं पहनेगा
- दाढ़ी नहीं रखेगा
- सैनिक

सैनिक कारण

- वेतन → कम मिलता था
  - I लेकिन अंग्रेज सैनिकों को वेतन ज्यादा मिलता था
  - II अंग्रेज अपनी मर्जी से तबादला करवा सकते थे
- तबादला / Transfer → ज्यादा किया जाता था
  - समुंद्र पार भी भेजा जाता था
  - ↳ भारतीय सैनिक इसको अपसंकुन मानते थे। (समुंद्र में उतरना)

★ 1833 में चार्टर Act / कानून
- ↳ ईसाई मशिनरी / प्रचारक
- ↳ भारत में आए = भारतीय लोग धर्म परिवर्तन की वजह से भी परेशान थे

सहायक संधि

लोर्ड वेलेजली ने 1798 में सहायक संधि को लागु किया था

EIC = राज्य
- → राज्य की खुद की सेना नहीं होगी
- ↳ राज्य में EIC की सेना होगी बदले में राज्यों को सेना को वेतन देना होगा सारा खर्च राज्य देगा
- ↳ राज्य अगर वेतन देने मे असमर्थ होता तो राज्य पर EIC का कब्जा हो जाता था

पहला राज्य जो सहायक संधि का शिकार हुआ — हैदराबाद निजाम

हड़पनीति #→ ★

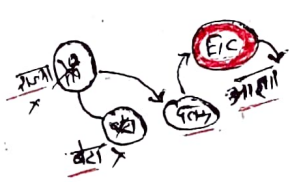

- अगर राजा की मृत्यु हो जाए
- राजा को सन्तान ना हो
- दत्तक (गोद लिया हुआ बेटा) उत्तराधिकारी नही बन सकता
- उत्तराधिकारी के लिए EIC = आज्ञा
- ऐसे राज्य का प्रशासन EIC सम्भालेगी
- रानी को पेंशन दी जाएगी

लोर्ड डलहौजी ने 1848 में इसे लागू किया था

हड़पनीति का पहला शिकार हुआ राज्य
→ सतारा (महाराष्ट्र) M.H. ★

Class 29

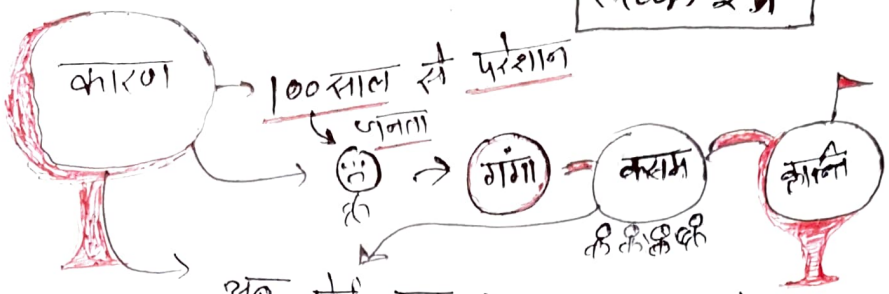

कारण → 100 साल से परेशान
↳ जनता → गंगा — कसम — क्रान्ति

अब कोई नया कारण आया तो क्रान्ति कर देंगे

क्रान्ति के प्रचार के लिए चुने गए निशान →

सभी को क्रान्ति के लिए संदेश रोटी व कमल पहुंचाकर दिया गया।

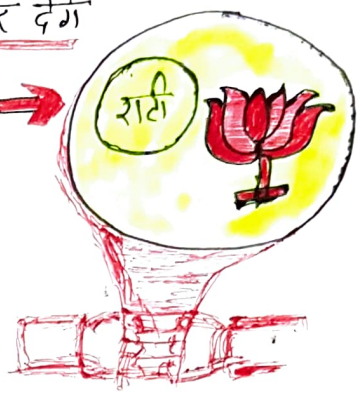

तत्कालीन कारण 1856 में (Dec)

→ पुरानी बन्दुक → ब्राउन बेस थी इसको बन्द करके

→ नई बन्दुक → राईफल एनफिल्ड आई थी ★

★   → गाय व सुअर की चर्बी का इस्तेमाल करके बनाए गए कारतुस (और ये ही नया क्रान्ती का कारण था)

चर्बी वाले कारतुस

★ रविवार का दिन 10 मई को 1857 की क्रान्ती शुरू हुई थी

अन्य सिपाहीयो ने हमला किया सारे अग्रेजो को मार डाला गिरफ्तार सिपाहीयो के छुड़वाने के लिए

मेरठ
- 20th NI रेजमेन्ट
- 10 मई 1857 ★
- 90 सिपाही मना → बन्दुक चलाने से मना किया
- ↳ 85 गिरफ्तार

बादशा बहादुर शाह जफर

बंगाल
- बैरकपुर छावनी
- 34th वी NI
- सिपाही
↓
मंगल पांडे

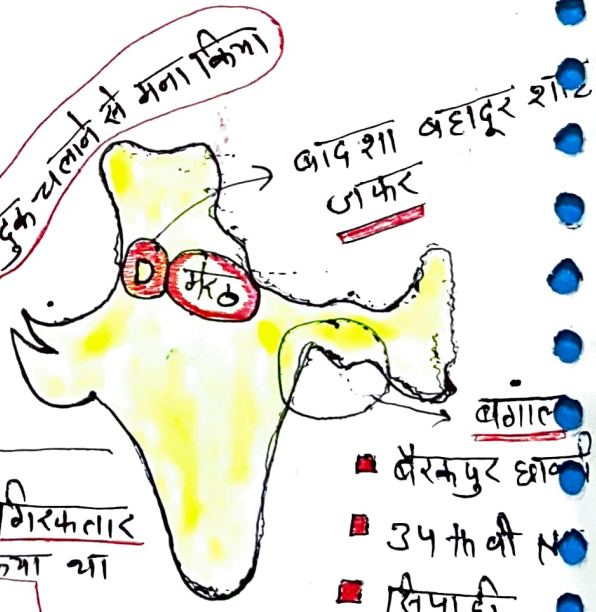

मंगल पांडे को पलटूराम ने गिरफ्तार किया था

मंगल पांडे को फांसी (कलकता)
★ 8 APRIL 1857 को दी थी।

अंग्रेज अधिकारी → बाग ×, ह्यूसन ×

29 MAR 1857

मंगल ने दोनो अंग्रेज अधिकारीयो को गोली मार दी

★ [क्रान्ती की पहली गोली आजादी की

रातों रात सिपाही दिल्ली पहुंचे मेरठ से दिल्ली का बादशाह बहादुर शाह जफर 82 वर्ष की उम्र

11 मई 1857 को सिपाही दिल्ली पहुंचे थे। बहादुर शाह जफर ने हाँ कर दी और दिल्ली में भी क्रान्ती शरु।

केन्द्रीय / क्रान्तीकारी नेता → दिल्ली → नेता: बहादुर शाह जफर

दमनकारी नेता (अंग्रेज) → हड्सन / निकलसन

- हुमायु के मकबरे के पास से गिरफ्तार
- रंगुन माण्डले जेल मे भेजा गया जहा 1862 मे जफर की मृत्यु हो गई। इसका मकबरा रंगुन मे ही है।
- गिरफ्तार हड्सन ने किया था

झांसी → नेता	कानपुर → नेता	लखनऊ - नेता	ग्वालियर	बिहार - नेता
रानी लक्ष्मी बाई	नाना साहब	हजरत महल (बेगम हजरत महल)	तात्या टोपे	कुँवर सिंह
ह्यूरोज दमनकारी नेता	कैम्पबेल दमन कारी नेता	कैम्प बेल दमन कारी नेता	ह्यूरोज 18-4-1859 (फांसी) क्रांती (आखरी फासी)	टेलर दमन कारी नेता

⇒ क्रांती ⇒ समापत | सम्पूर्ण भारत अंग्रेजो के आधीन 1857 — 1947 तक.

भारत सरकार अधिनियम 1858 आया | # ब्रिटिश कानून भारत में

भारत में EIC का शासन समाप्त
भारत में ब्रिटिश क्राउन का शासन लागू
ब्रिटिश संसद में एक मन्त्री भारत के लिए होगा
Secratary of State for India + 15 सदस्य
भारत में वायसराय होगा
जो राज्य कम्पनी के आधीन थे वे अब ब्रिटेन का हिस्सा होंगे।

Class 25

Victoria → रानी विक्टोरिया

ब्रिटेन की

↓

संसद

↓

15 = परिषद

Secretary of State for India

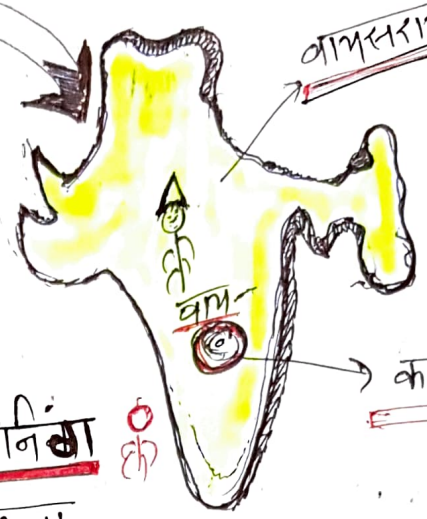

वायसराय + 15 सदस्यों की परिषद

वायसराय की कार्यकारी परिषद

1858 Act – Lord कैनिंग को पहला वायसराय माना गया

लॉर्ड कैनिंग ने इस Act को इलाहाबाद में जनता दरबार लगा कर पढ़ा था

1858 Act को रानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र कहा गया ★

1858 Act को भारत की जनता का मैग्ना कार्टा कहा गया है। ★

स्वतंत्रा संग्राम 1858 – 1947

राष्ट्रवाद भारत में आने का कारण

↓

1. पत्र पत्रिकाएं
2. वायसराय कार्य

पत्र पत्रिकाएं → 1859 में बंगाल के नादिया जिले में किसानों ने नील विद्रोह किया गया नील विद्रोह का नेतृत्व दिगम्बर विश्वास + विष्णु विश्वास ने किया

नोट → अंग्रेज सरकार इस विद्रोह का दमन कर देती है।

नील विद्रोह दमन होने की बात कुछ पत्रिकाओं में छपी

ये पत्रिका ⟹ नील दर्पण ॥ हिन्दू पैट्रियट

ये स्थानीय / वर्नाकुलर / भाषा में छपी पत्रिका थी। इन पत्रिकाओं ने ही नील विद्रोह की जानकारी को पूरे भारत में फैलाने का काम किया (जो भारत में राष्ट्रवाद आने का कारण बना)

[लार्ड लीटन] # 1876 – 1880 तक ← (वायसराय के कार्य)

→ 1877 में लार्ड लीटन ने दिल्ली में दरबार लगाया और रानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी घोषित किया

दिल्ली दरबार मे लीटन ने लाखों रुपये खर्च किए और उस समय भारत में अकाल पड़ा हुआ था लोगों के मन में अंग्रेजों के प्रति नकारात्मक सोच ने जन्म लिया

★ # 1878 मे लार्ड लीटन ने वर्नाकुलर प्रैस एक्ट लागू किया

वर्नाकुलर प्रैस एक्ट ★
↓
(राष्ट्रवाद का कारण)

→ स्थानीय भाषा में पत्र पत्रिकाओं को लिखने वालो को लाइसैन्स बनवाना होगा
→ पत्रिकाए लिखने की फीस 2 गुणा होगी
→ एक भी शब्द सरकार के खिलाफ लिखा तो लाइसैन्स रद / सम्पत्ति जब्त / कैद भी हो सकती है।

[1878 मे ही]
↓
Arms act (आर्मस एक्ट)

↓ (राष्ट्रवाद का कारण)

(भेदभाव) किया गया ★

→ भारतीयों को ~~हथि हथियार~~ हथियार रखने के लिए लाइसैन्स बनवाना होगा अगर बिना लाइसैन्स के हथियार मिला तो 3 साल की सजा होगी (अंग्रेजों के लिए ये कानून नहीं था)

भारतीयों को लाइसैन्स के लिए फीस 2 गुणी देनी होगी।

प्रशासनिक सेवाए (ICS) → लार्ड कार्नवालिस ने शुरु किया ★

→ ICS में परिक्षा लेना = डलहौजी ने शुरु किया ★

→ लार्ड लिटन ने इसमे उम्र को घटाकर = 21 से 19 कर दिया
(राष्ट्रवाद का कारण)

परिक्षा के लिए उम्र ★

लार्ड रिपन # 1880-84 → इसके समय को पंचायती राज का स्वर्ण युग कहा जाता है। ★

→ ICS मे Age को दोबारा = 19 से 21 कर दिया

★ → इसके समय में 1883 में Ilbert Bill (इलबर्ट बिल) लागू किया गया। बाद में इस Bill मे बदलाव किया गया

1884 डफरिन वायसराय के समय

→ को सलाह दी A O ह्यूम ने ★

1884 में A O ह्यूम ने INU भारतीय राष्ट्रीय संघ की स्थापना

1885 में बॉम्बे मे 72 लोगों की Miting बुलवाई गई ★ (→ ठाकुर गोकुलदास कॉलेज (बम्बई) में)

इनमे से एक थे ⇒ W.C बेनर्जी (व्योमेश चन्द्र बैनर्जी)

= दादा भाई नौरोजी (पहला अधिवेशन ⇒ बॉम्बे में)

नौरोजी ने भारतीय राष्ट्रीय संघ का नाम = Indian कॉंग्रेस दिया

इंडियन कॉंग्रेस के पहले अध्यक्ष ⇒ व्योमेश चन्द्र बैनर्जी बने ★

इंडियन नेशनल कॉंग्रेस की स्थापना ⇒ 28 Dec 1885 को हुई

इंडियन कॉंग्रेस मे नेशनल शब्द ⇒ 1891 को जोड़ा गया ★

कॉंग्रेस को ब्रिटिश सरकार का सैफ्टी वाल कहा जाता है। ★

[Indian नेशनल कांग्रेस] # 1885 – 1947

[उदारवादी चरण]
1885 – 1905
↓
- दादा भाई नौरोजी
- गोपाल कृष्ण गोखले
- फिरोजशाह मेहता
- हर साल अधिवेशन
- प्रस्ताव तैयार
  ↓
  अंग्रेजो को सौंपना

[उग्रवादी चरण]
1905 – 1917
↓
- बाल गंगा धर तिलक
- लाला लाजपत राय
- विपिन चन्द्र पाल

No → अधिवेशन
No → प्रस्ताव
स्वतंत्रता = आंदोलन

[गांधी वादी चरण]
1917 – 1947
↓
स्वतंत्रता / हर साल अधिवेशन
प्रस्ताव – पत्र
सत्याग्रह

[उदारवादी चरण ⇒ 1885 – 1905]

- दादा भाई नौरोजी
- फिरोज शाह मेहता
- गोपाल कृष्ण गोखले
- सत्येन्द्र नाथ टैगोर

→ हर वर्ष Dec अधिवेशन ⇒ ब्रिटिश सरकार को
आजादी ⇒ संवैधानिक विकास ⇒ पत्र

1858 → भारत का नियंत्रण ⇒ कार्यकारिणी परिषद ⇒ सदस्य = 6
↳ viceroy of India ↳ Executive Council

1861 → Indian – Council – Act
Control – Viceroy + कार्यकारिणी परिषद = 6 + Additional member = 6
(6–12) सदस्य

1862 → कलकत्ता, मद्रास, बांम्बे मे (H/C) ★
→ उच्च न्यायालयों की स्थापना हुई

1892 → Indian – Council – Act
- Control – Viceroy + 6 Executive – कार्यकारिणी
- [10–16] = अतिरिक्त सदस्य

Class 28

उग्रवादी चरण = 1905 – 1917

वायसराय ÷ लार्ड कर्जन — भारत का वायसराय

जनसंख्या ⇒ 7.80 करोड़
8 करोड़ लगभग

→ 1905 में बंगाल का विभाजन किया
- प० बंगाल W.B → हिन्दु ज्यादा
  - राजधानी → कलकता
- पू० बंगाल E.B → मुस्लिम ज्यादा
  - राजधानी → ढाका
    - → आगा खां
    - → सलिमुल्ला
    - द्वारा 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना की गई ★

बालगंगाधर तिलक द्वारा
- → 1905 में स्वदेशी आन्दोलन शुरू किया गया
  - → स्वदेशी अपनाओ
  - → विदेशी का बहिष्कार करो
- → पूरे देश में ये आन्दोलन चला
- ★ → इसी आन्दोलन में वंदेमातरम गीत लोकप्रिय हुआ

इस आन्दोलन को बंगाल विभाजन के विरुद्ध मे चलाया गया था

सुरत अधिवेशन ⇒ 1907 ★
→ अध्यक्ष ⇒ रास बिहारी बोस

कांग्रेस का विभाजन हुआ ↔ (उदारवादी लोग स्वदेशी आन्दोलन को रोकना चाहते थे)

# उग्रवादी #	# उदारवादी #
• बालगंगाधर तिलक	• गोपाल कृष्ण गोखले
• लाला लाजपतराय	• दादा भाई नौरोजी
• विपिन चन्द्र पाल	• फिरोजशाह मेहता
	• रास बिहारी बोस
# गर्म दल कहलाया #	# नरम दल कहलाया #

★ इनको गिरफ्तार कर लिया

1909 में मॉर्ले मिन्टो सुधार आया इसके तहत भारत का नियंत्रण ⇒ वायसराय के हाथ मे और कार्यकारीणी परिषद के हाथ में होगा लेकिन इस कानून के तहत पहली बार कार्यकारणी परिषद मे भारतीय को शामिल किया और वो पहला भारतीय सत्येन्द्र सिंह सिन्हा थे और अन्य सदस्यों की संख्या को 16—60 कर दिया गया और इसमें 5 पद मुस्लिमों के लिए रखे गए

1909	1861	1892
वायसराय + 5 + 1 (5 → अंग्रेज, 1 → भारतीय → सत्येन्द्र सिन्हा)	वायसराय + 6 सदस्य → अंग्रेज	वायसराय + 6 → अंग्रेज
अन्य सदस्य 16—60, 5 मुस्लिम	अन्य सदस्य 6—12	अन्य सदस्य 10—16

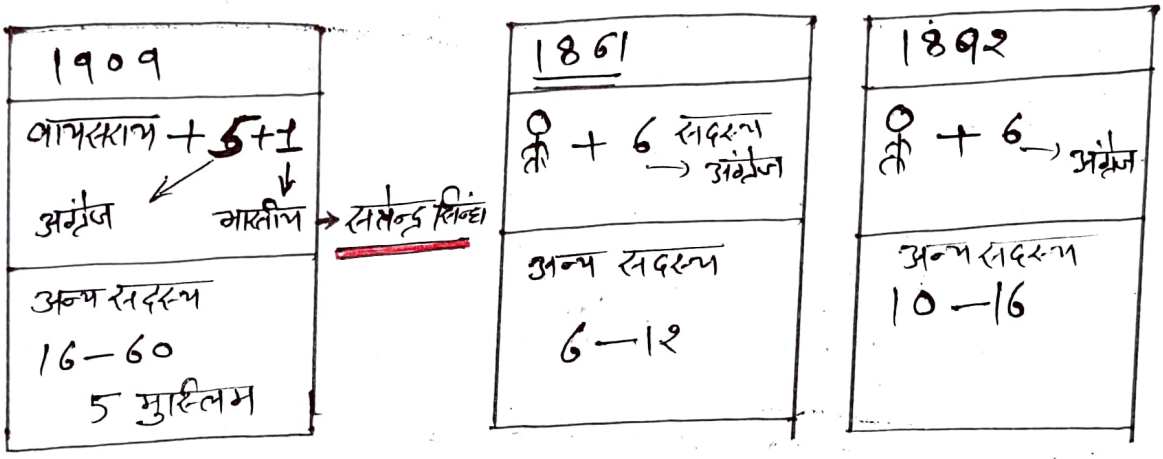

1911 में लार्ड हार्डिंग के समय
→ दिल्ली दरबार लगाया गया
→ जार्ज पंचम व उनकी पत्नि मैरी के स्वागत के लिए
  → ब्रिटेन का राजा
- जार्ज पंचम को भारत का सम्राट घोषित किया गया
- बंगाल विभाजन को रद्द किया जाएगा
- राजधानी कलकता से दिल्ली स्थानांतरित कर दी जाएगी
→ इन दोनों मुद्दों पर कार्य 1912 में किया गया

Class 30

प्रथम विश्व युद्ध # 1914 — 1918 तक

महात्मा गांधी #→ 2 oct 1869 में जन्म (पोरबन्दर गुजरात)

पिता कर्मचन्द + माता पुतलीबाई का बेटा (माता - पिता)

1883 में ⇒ कस्तूरबा से शादी की

1887 में ⇒ 10 वीं कक्षा पास की (मैट्रिक पास)

1888 में ⇒ बम्बई से इंग्लैण्ड गए

→ Innertemple College (इनर टैम्पल कॉलेज) मे Barrister (वकील) वकालत की पढ़ाई करने गए

1891 मे ⇒ इंग्लैण्ड से वापिस बम्बई वकील बनकर लौटे।

1891–93 तक सूरत और बम्बई मे वकालत की

1893 में बम्बई से साऊथ आफ्रीका सेठ अब्दुल्लाह का केस लड़ने के लिए गए (1 साल के लिए)

सेठ अब्दुल्लाह → कंपनी → 40000 पॉंड रुपए का घोटाला केस

1 साल के लिए → रहना, सहना, वेतन

1893 — 1915 तक

★ → गांधी साऊथ आफ्रीका में ही रहे (गए तो एक साल के लिए लेकिन 22 साल तक रहे)

→ दरबन / डरबन से पिटोरिया जाते समय मैरी त्जबर्ग स्टेशन पर 1st Class → टिकट होते हुए भी रेल से गांधी को उनके समान सहित नीचे उतार दिया गया (रंग भेद के कारण)

★

1907 मे पहला सत्याग्रह गांधी जी ने शुरू किया साऊथ आफ्रीका में (नस्ल भेद के खिलाफ) रंग भेद के खिलाफ

साऊथ आफ्रीका में गांधी के द्वारा दो पत्र निकाले गए → ★ इंडियन ओपिनियन / हरीन पैम्पलेट; ★ हिन्द स्वराज

1915 में गांधी जी भारत में आए और आते ही प्रचार करना शुरू किया भारत वासियों को विश्व युद्ध मे अंग्रेजों का साथ देने के लिए इससे गर्मदल वाले लोगों को गुस्सा आया था (गांधी को बुलाया गया था न कि वे आए थे) ★

Class 31

एनी बेसंट → 1893 में भारत में आ चुकी थी
→ आयरलैण्ड की थी। (महिला)
→ सुझाव दिया → होम रूल लीग (कांग्रेस को)
→ Sep 1916 में एनी बेसन्ट ने होम रूल लीग की स्थापना की
→ 200 ब्रांच बनाई

नोट April 1916 में बाल गंगाधर तिलक ने होमरूल लीग शुरू कर दिया
→ 6 ब्रांच बनाई

कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन ⇒ 1916 में ☆

कांग्रेस → मुस्लिम लीग के बीच समझौता

- नरम दल + गर्म दल — आंबिका चरण मजुमदार → नरमदल / गर्मदल अध्यक्ष
- मुसलमान — महोमद अली जिन्ना → मुस्लिम लीग अध्यक्ष

⇒ समझौते के तहत
1 → उत्तरदायी सरकार की मांग
2 → केन्द्रीय सभा में 150 सदस्य भारतीय हो
75 हिन्दू व 25 मुसलमान
3 → भारत का सचिव ⇒ उसका वेतन ब्रिटेन से दिया जाएगा

★ इस अधिवेशन में कांग्रेस का नरम दल व गरमदल एक हो गया

चम्पारण सत्याग्रह ⇒ 1917 में | भारत में गांधी जी का पहला सत्याग्रह था ★
राजकुमार शुक्ला के कहने पर

↓ बिहार → चम्पारन

→ EIC के समय से ही तीन कठिया पद्धति प्रथा लागू थी

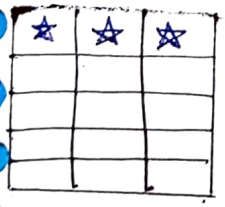

1 बीगा = 20 कठा ⇒
3 कठा पर नील की खेती

3/20 भाग पर → अंग्रेज किराया देते थे

किराया देना बन्द कर दिया गया ⟷ किसानों की हड़ताल
→ गांधी जी + 2000 किसान
→ जेल में डाल दिए गए

Class 32

अमदाबाद / अहमदाबाद मिल मजदूर हड़ताल → 1918

1918
↳ प्लेग बीमारी →

→ 10% कर्मचारी मृत्यु हो गई

कर्मचारी ⇒ नौकरी छोड़ने लगे
- → प्लेग बोनस → 80–90% कर दिया गया
- 1918 → मे प्लेग खत्म | बोनस भी खत्म कर दिया गया

कर्मचारीयो ने हड़ताल करदी → 50% बोनस की मांग
मील के मालिक 20% बोनस देने को तैयार थे
गांधी जी ने 3 दिन भूख हड़ताल की | अनशन किया और इसके बाद मालिको ने 35% बोनस देना स्वीकार कर लिया (35% बोनस गांधी की मांग थी) ☆ I.m.P
प्लेग बोनस को लेकर ये विवाद हुआ था

खेड़ा सत्याग्रह (गुजरात) # 1918 मे

प्रशासन → लगान → 23% बढ़ा दिया
किसान ☹ → अकाल | प्लेग से परेशान थे
- → हड़ताल कर दी
- → गांधी जी ने → सरदार पटेल को भेजा
  - → Survey (सर्वे) किया
    - → ☺ गांधी जी ने रिपोर्ट तैयार करके प्रशासन को दी | इस रिपोर्ट मे TAX देने से मना किया गया था

गांधी ने यहा भी सत्याग्रह किया फलस्वरूप प्रशासन को झुकना पड़ा और 1918–19 एक साल का लगान माफ करवाया गया

मांटेग्यू चेम्सफोर्ड घोषणा पत्र # 1919 ← प्रथम विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद => 1914–18 तक

भारत का प्रशासन → भारतीय सचिव + High Commissioner of India के हाथ में
(अंग्रेज)

5 ♀ + ♀ I → Viceroy – (6) (3) Indian | भारतीय

कार्यकारणी परिषद / में → द्वैध शासन लागू किया गया

केन्द्रीय सभा → लोक सभा = 145
राज्य सभा = 60 (Indian / मुस्लिम) सदस्य

घोषणा पत्र के साथ → प्रस्तावना = प्रिएम्बल (Self Govt भारत की

प्रिएम्बल प्रस्तावना इसी घोषणा पत्र 1919 में आयी थी
↳ इसके तहत भारत की अपनी सरकार होगी

इस घोषणा पत्र को उदारवादीयों ने → भारत का मैग्ना कार्टा कहा था ★

1919 के घोषणा पत्र के साथ ही भारत में रॉलेट एक्ट आया था

Sydney-Rowlatt
सिडनी रॉलेट ← ब्रिटिश जज
↳ इसने रॉलेट एक्ट बनाया था

★ → भारत में क्रांतिकारी गति विधियों को रोकने के लिए ये कानून बनाया था

दूसरा नाम ↔ द अनार्किकल एण्ड रिवोल्यूशनरी क्राइम एक्ट

इस कानून के तहत किसी भी व्यक्ति पर शक होने पर उसे बिना मुकदमा चलाए ही जेल में २ साल तक डाल दिया जाएगा → इसे बिना वकील, बिना अपील, बिना दलील वाला कानून कहा गया

भारतीय उदारवादीयों ने इसे काला कानून कहा गया

पंजाब

↓

लैफ्टिनेंट गवर्नर जनरल
→ माईकल डायर
↳ पूरे पंजाब पुलिस का हेड

पंजाब पुलिस का हेड
→ जनरल डायर

सत्यापाल मलिक, सैफुद्दीन कीचलू — 11-4-1919 → धर्मशाला H.P नजरबंद

5-4-1919 को मार्शल लॉ (कर्फ्यू) → पंजाब में

महात्मा गांधी पर प्रतिबंध (पंजाब में No Entry)

एनी बेसेंट ने गांधी को राजनीतिक बच्चा बोला था ← सत्याग्रह की वजह से

6-4-1919 → सत्याग्रह सभा की स्थापना (गांधी)
↳ दिल्ली → पलवल → 10-4-1919 (हरियाणा में पहली गिरफ्तारी) ☆
↳ गांधी जी गिरफ्तार

11-4-1919 → को पंजाब मे रोलेट एक्ट के खिलाफ विद्रोह किया → सत्यापाल मलिक, सैफुद्दीन कीचलू ने
इनको हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में नजरबंद कर दिया गया

L.G → माईकल डायर
Police → जनरल डायर
↓
तोप → रास्ता एक, दरवाजा एक

★ 13-4-1919 ⇒ बैशाखी मेला

→ हत्या कांड

→ उधम सिंह बचे व जनरल डायर को मारने की कसम

जालियावाला बाग (अमृतसर) → जालियावाला बाग नरसंहार भी कहा जाता है।

कांग्रेस → का दबाव बढ़ा

Oct → 1919 → हण्टर आयोग

8 सदस्य — 3 भारतीय, 5 अंग्रेज

रिपोर्ट के अनुसार → 379 - हत्या, 1200 - घायल → इसे जनरल डायर की भूल कहा गया ☆

जनरल डायर → 1927 में मृत्यु (बीमारी के कारण)

उधम सिंह → 1933/37 मे ब्रिटेन पहुंचे अपनी कसम को पूरा करने के लिए

ब्रिटेन → में कैक्सटन हॉल (लंदन) → में 13-3-1940 को माईकल डायर की हत्या की (जालियां वाला बाग का बदला)

July-1940 को उधम सिंह को फांसी दे दी गई

1 Aug → 1920 → असहयोग आंदोलन चलाया गया
गांधी जी द्वारा

- विद्यार्थी - स्कूल नहीं
- अध्यापक - स्कूल नहीं
- वकील - अदालत नहीं
- कर्मचारी पद त्याग
- विदेशी चीजों का बहिष्कार किया गया

इस आंदोलन के चलते
↓
काशी विद्यापीठ
गुजरात विद्यापीठ
बिहार विद्यापीठ
जामिया इस्लामिया विद्यापीठ (दिल्ली)
घरेलू विद्यापीठ की स्थापना हुई

5-Feb-1922 → चौरा चौरी काण्ड → गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में है

आंदोलनकारी →

→ 22 पुलिस कर्मी, → 1 चौकीदार ⇒ 23 → आग में जलकर मर जाते हैं।

2000 → आग → पुलिस स्टेशन को आग लगा देते हैं।

ये बात गांधी जी को पता चलती है। तो 12 Feb 1922 को अपना असहयोग आंदोलन वापिस ले लेते हैं।

1923 में मोतीलाल नेहरु, C.R दास → स्वराज पार्टी की स्थापना की थी आंदोलन वापिस लेने की वजह से

Class 34

1928 में साईमन कमीशन आयोग भारत आया
→ 7 अंग्रेजों का समूह एक भी भारतीय नहीं

लाला लाजपतराय 1928 = लाहौर

नारा → Simon go Back → Scott अंग्रेज - लाठी चार्ज → लाला लाजपतराय की मृत्यु

साथी → चन्द्रशेखर + भगत सिंह + सुखदेव + राजगुरु
→ 1928 में → हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन ऐसोसिएशन
→ H.S.R.A → की स्थापना की | → फिरोजशाह कोटला मैदान (दिल्ली) में

★ # 1928 में ही नेहरू रिपोर्ट बनाई जाती है। जिसको स्वीकार नहीं किया गया | → भारत का सचिव लॉर्ड बर्कनहेड ने भारतीयों [redacted] को यह चुनौती दी की वे एक ऐसा संविधान बनाए जो सभी दल को मंजूर हो।

H.S.R.A → ने 1928 में ही सांडर्स नामक अंग्रेज की हत्या कर दी लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला
→ 1929 में ⇒ 8 अप्रैल 1929 को दिल्ली के केन्द्रीय विधामंडल मे जिस समय पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिस्प्यूट बिल पर बहस चल रही थी उसी समय भगत सिंह + बटुकेश्वर दत्त ने बम फेंका | भगत सिंह ने यहां पर इंकलाब जिन्दाबाद का नारा दिया | → महांमद इकबाल ने अपनी पुस्तक → बांग-ए-दर्रा में इन्कलाब शब्द का प्रयोग किया है।

★ भगत सिंह और बटुकेश्वर को गिरफ्तार कर लिया गया

★ 1929 → लाहौर अधिवेशन ⇒ जवाहर लाल नेहरू (रावी नदी तट पर)
★ पूर्ण स्वराज की मांग, सविनय अवज्ञा आन्दोलन का फैसला लिया
26 Jan 1930 को आधुनिक भारत के इतिहास मे प्रथम स्वतंत्रा दिवस मनाया गया

1930 → सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरू

12 मार्च 1930 → दाण्डी यात्रा

↳ नौसारी (गुजरात) में

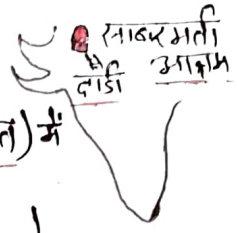

- → 78 - लोग - पैदल
- → 340/375 Km ⇒ 24 दिन तक चले
- → 6 अप्रैल 1930 → नमक कानून को तोड़ा
- → नमक कानून को तोड़ते ही देश भर में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हो गया | दोबारा/ अंग्रेजों को झुकने पर मजबूर किया

4 मई को गांधीजी को गिरफ्तार करके यरवादा जेल भेज दिया गया (पुना में

पहला गोलमेज सम्मेलन = 1930

↳ हिन्दु महासभा, मुस्लिम दलित + अन्य

★ कांग्रेस ने भाग नहीं लिया

---

5 मार्च 1931

गांधी + इरविन समझौता

दिल्ली समझौता भी कहा जाता है।

↓

गांधी दूसरे गोलमेज सम्मेलन मे हिस्सा लेंगे या नहीं इसीलिए इरविन समझौता किया गया था

चन्द्रशेखर आजाद

↳ 9 Aug 1925

- ★ → काकोरी काण्ड
- → रेल को लूटा (10000 रुपया)

- रामप्रसाद बिस्मील
- असफाक उल्ला खा → फांसी हुई
- रोसन लाल
- अन्य → सजा हुई
- चन्द्रशेखर → फरार ★

इलाहाबाद → अलफ्रेड पार्क मे

27 - Feb - 1931 को चन्द्रशेखर को पुलिस ने घेर लिया

चन्द्रशेखर ने स्वयं को गोली मार ली

★ अलफ्रेड पार्क का नाम बदलकर चन्द्रशेखर आजाद पार्क कर दिया गया है।

गांधी + इरविन समझौता ⇒ 5 मार्च 1931

शर्तें → नमक बनाएगे

II शांति पूर्वक आन्दोलन करेंगे

III कर्मचारीयों को नौकरी वापिस दो

IV गिरफ्तार किए गए लोगों को जेल से निकालो

★ आंदोलन कारीयो के जेल से बहार करने की बात की गई न की क्रांतिकारीयों की

नोट → इस समझौते में क्रांतिकारीयों को जेल से बहार निकालने की बात नही की गई।

★ इसलिए 23 मार्च 1931 को फांसी दे दी गई → भगत सिंह (शहिद-आज़म) → शहिद-ए-आज़म कहा जाता है, राजगुरु, सुखदेव → लाहौर षड्यन्त्र केस चलाया गया

दूसरा गोलमेज सम्मेलन 1931

★ गांधी जी एस.एस राजपूताना नामक जहाज से लदंन गए थे

- मुस्लिम लीग
- दलित समुदाय ⇒ B.R अम्बेडकर ⇒ पृथक चुनाव 71 सीट
- ★ कांग्रेस ⇒ महात्मा गांधी → एक मात्र प्रतिनिधी
- अन्य

गांधी जी इस बात से नराज हो गए थे

साम्प्रदायिक समस्या पर विवाद के कारण यह सम्मेलन असफल हो गया

गांधी + B.R अम्बेडकर के बीच

★ पूना समझौता हुआ → इसे पूना पैक्ट भी कहा जाता है

- केन्द्र में → 18, सीट दलीत के लिए
- प्रांत में → 71 सीटों की जगह ⇒ 147 सीट करने की बात की गई ये सीट आरक्षित तौर पर की गई

नोट → इस समझौते के तहत सभी बातों को स्वीकार कर लिया गया → गांधी जी + B.R अम्बेडकर दो इस समझौते से सहमत हुए [B.R अम्बेडकर गांधी जी को ~~मना~~ मनाने गए थे यरवादा जेल (पूना)]

तीसरा गोलमेज सम्मेलन 1932

- मुस्लिम लीग
- दलित वर्ग → B.R अम्बेडकर
- ★ कांग्रेस ने भाग नहीं लिया
- अन्य

★ तीनो सम्मेलनो मे भाग लेने वाले → B.R अम्बेडकर

★ कांग्रेस ने सिर्फ दूसरे सम्मेलन मे भाग लिया → एक मात्र प्रतिनिधी → महात्मा गांधी जी

भारत सरकार अधिनियम 1935

★ इसे भारत का लघु संविधान भी कहा जाता है।

भारत पर नियंत्रण → वायसराय + कार्यकारिणी परिषद + 6 सदस्य → 3 अंग्रेज, 3 भारतीय

केन्द्रीय सभा → 375 सीट (लोकसभा), 260 सीट (राज्यसभा)

- 11 राज्यो मे → प्रांतीय सभा होगी

★ भारतीय संविधान पर सबसे ज्यादा प्रभाव → 1935 के अधिनियम का है

प्रांत ⇒ 11 प्रांतीय सभा ⇒ Total ⇒ 1585 सीट

सूची →

संघीय सूची	समवर्ति सूची	प्रांतीय सूची
59 = विषय	36 = विषय	54 = विषय

★ → तीनो सूचीया 1935 के अधिनियम के तहत बनाई गई

Federal Court

↓

संघीय न्यायलय की स्थापना दिल्ली मे

→ 1937 में इसे → सुप्रीम कोर्ट का दर्जा दिया गया

- 1935 के अधिनियम के तहत RBI की स्थापना की गई
  → रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया

★ → ये सभी कार्य अधिनियम 1935 के तहत किए गए थे इसीलिए इसे लघु संविधान भी कहा जाता है।

1939–45
2nd विश्व युद्ध
2nd World War ☆

1940 अगस्त प्रस्ताव

- विश्व युद्ध में भारतीयों से सहायता
- विश्व युद्ध के बाद → संविधान की बात
- कांग्रेस ने इसका समर्थन नहीं किया
- मुस्लिम लीग ने इसका समर्थन किया था ताकि उनको पाकिस्तान मिल जाए

1942 क्रिप्स मिशन / प्रस्ताव

ब्रिटिश P.M → चर्चिल द्वारा

- राज्यों को उत्तरदायी व स्वतंत्र सरकार मिलेगी
- संविधान सभा का गठन → भारतीय लोग होंगे
- भारत को डोमिनियन राज्य का दर्जा मिलेगा
- ये सब कार्य विश्व युद्ध खत्म होने के बाद होंगे
- ☆ गांधी ने क्रिप्स मिशन को → पोस्ट डेटेड चैक कहा / अगली डेट का चैक कहा था
- ☆ 11 अप्रैल 1942 को क्रिप्स प्रस्ताव को वापिस ले लिया गया

अगस्त 1942 भारत छोड़ो आंदोलन

☆ 8 अगस्त 1942 /

→ भारत छोड़ो प्रस्ताव का प्रारूप मौलाना अबदुल कलाम आजाद ने तैयार किया था

- ☆ गांधी जी ने इसकी शुरुआत की
- ☆ करो या मरो का नारा दिया।
- ☆ अंग्रेजो भारत छोड़ो का नारा दिया
- सरकारी दफतर तोड़े गए, रेलवे ट्रेक तोड़े गए
- इसमे सबसे ज्यादा हिंसा हुई
- 1 लाख लोगो को गिरफ्तार किया गया
- अंग्रेजो ने आंदोलन दबाने के लिए, लाठी चार्ज, कैद
- ☆ 1944 तक ये आंदोलन धीरे-2 समाप्त हो गया

☆ गांधी जी / कस्तुरबा गांधी, सरोजनी नायडू → आगा खाँ पैलेस मे रखा गया
☆ नेहरु को → अल्मोड़ा जेल में
☆ राजेन्द्र प्रसाद → बांकीपुर जेल मे / जय प्रकाश नारायण → हजारीबाग जेल में

[आजाद हिन्द फौज INA] # 1942 में

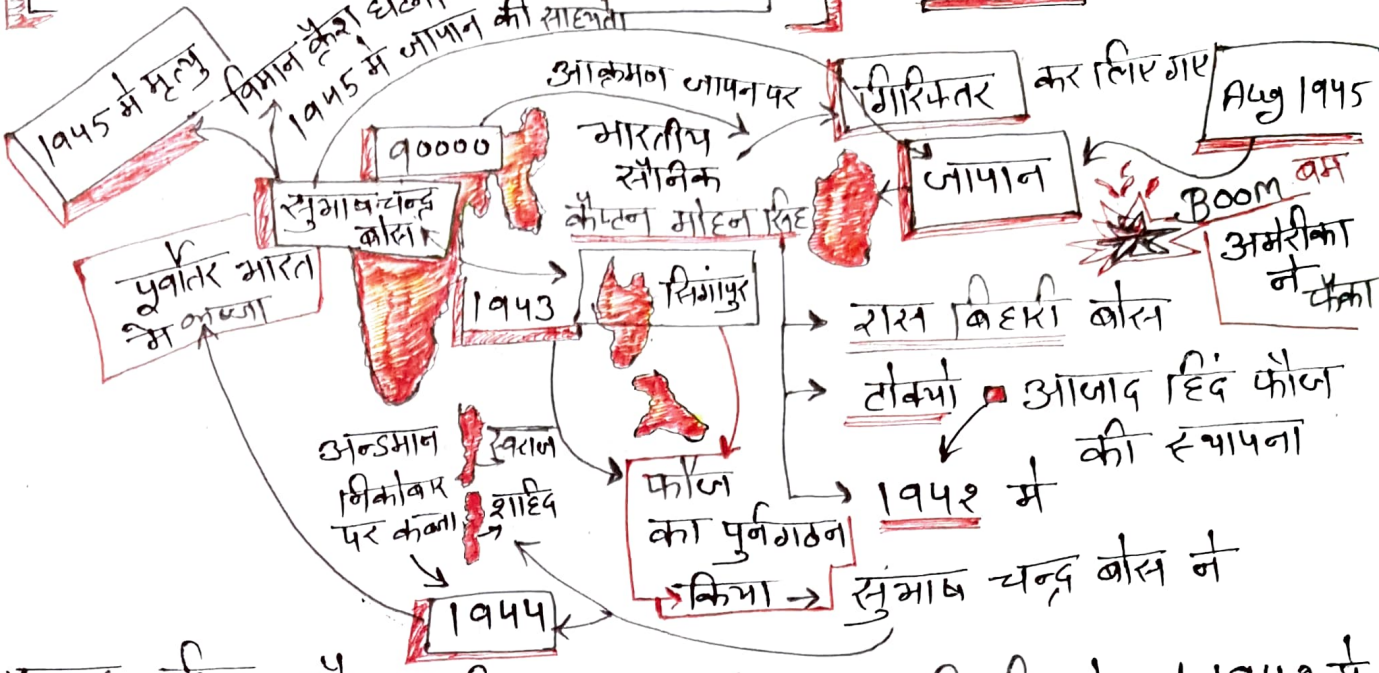

आजाद हिन्द फौज की स्थापना |→ रास बिहारी बोस |→ 1942 में
★ कैप्टन मोहन सिंह ने की

आजाद हिन्द फौज का पुर्नगठन |→ सुभाष चन्द्र बोस ने किया |→ 1943 में सिंगापुर में ☆

सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु
1945 में जापान की सहायता करने जा रहे थे
तब रास्ते में विमान धुर्टना के कारण हो गई

#★ तुम मुझे खुन दो मैं तुम्हे आजादी दुगा नारा /
★ दिल्ली चलो का नारा दिया |→ सुभाष चंद्र बोस ने ☆

1944 में रेडियो प्रसारण में सुभाष चन्द्र बोस ने
★ गान्धी को राष्ट्रपिता कह कर संबोधित किया

अंडमान व निकोबार को |→ स्वराज व शहिद नाम दिया था |→ सुभाष चन्द्र बोस ने

[जुन 1945 वेवल योजना]
~~शिमला~~ शिमला सम्मेलन

कार्यकारीणी परिषद में + वायसराय

गान्धी ↔ जिन्ना के बीच मत भेद
योजना असफल हुई

महात्मा गान्धी — [15 सदस्य] — महोमद अली जिन्ना
↓ 7 हिन्दु
↓ 7 मुस्लिम लीग के होने चाहिए

[२४ मार्च 1946 → कैबिनेट मिशन योजना]
ब्रिटिश P.M → कलिमेंट एटली

- लार्ड पैथिक लारेंस
- स्टैफर्ड
- A.V अलेक्जेंडर

→ कैबिनेट मिशन के सदस्य

→ संविधान सभा का गठन
389 सदस्य

पहली बैठक → 9-12-1946 को
अध्यक्ष ⇒ सच्चिदानन्द सिन्हा → अस्थाई अध्यक्ष

दूसरी बैठक → 11-12-1946 को
अध्यक्ष ⇒ राजेन्द्र प्रसाद → स्थाई अध्यक्ष

संविधान बनाने मे समय लगा → 2 साल 11 महिने 18 दिन

संविधान बनकर तैयार हुआ → कुल खर्च → 6396729 ₹
26-11-1949 को

आखरी बैठक → 24-Jan-1950 को
↳ संविधान लागू किया → 26 Jan 1950 को

कैबिनेट मिशन को ब्रिटेन/ब्रिटिश के P.M → कलिमेंट एटली ने भारत मे भेजा था ↳ संविधान सभा का गठन करने के लिए

[माउंटबेटन योजना 1947] # 3 जुन 1947 को
डिकी बर्ड योजना

24 मार्च 1947 को भारत के 34 वे और अंतिम गर्वनर जनरल बनकर भारत आए

इस योजना को डिकी बर्ड योजना भी कहा जाता है।

माउंटबेटन ने 15 अगस्त 1947 को भारतीयो को सत्ता सौंपने का दिन निर्धारित किया

[भारत स्वतंत्रता अधिनियम → 1947]

→ ब्रिटिश संसद ने 18 जुलाई 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 पारित किया

☆ 14 अगस्त 1947 → पाकिस्तान

- → पहले गवर्नर ⇒ जिन्ना बने
- → पहले प्रधानमंत्री ⇒ लियाकत अली
- → ★ लियाकत अली का संबंध हरियाणा के करनाल जिले से है।

15 अगस्त 1947 → भारत

स्वतंत्र भारत के पहले/अंतिम गवर्नर जनरल → सी राजगोपालचारी बने

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री ⇒ पंडित जवाहर लाल नेहरू बने

★ भारत स्वतंत्रता अधिनियम 1947 पारित होते ही भारत डोमिनियन राज्य बन गया था

प्राचीन भारत # 2500 BC — 712 AD तक

- सिंधु घाटी सभ्यता ★
- ★ वैदिक सभ्यता → ऋग्वैदिक / → उत्तर वैदिक
- जैन / बौद्ध धर्म ★
- महाजनपद काल → हर्यक★, शिशुनाग, नन्द★
- ★ मौर्य वंश
- मौर्योत्तर काल
- ★ गुप्त काल
- ★ पुष्यभूति वंश

सिंधु घाटी सभ्यता # 2500 BC — 1750 BC तक

- खोज
- नामकरण
- विस्तार
- व्यवस्था
- प्रमुख स्थल
- आर्थिक जीवन
- लीपि
- पतन

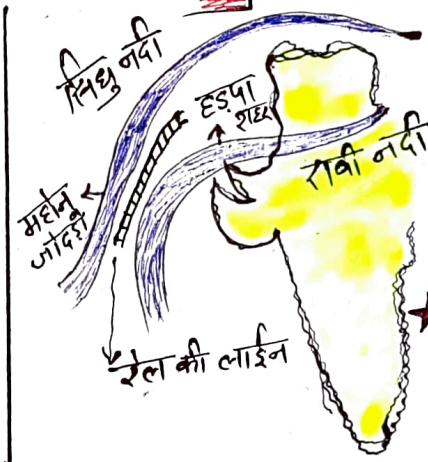

★ पहला उल्लेख किया
1826 में → चार्लीस मेसन
↓
1853 - 1857 → A.L कनिंघम -- यात्रा
★ 1861 ASI → DELHI में स्थापना
↓
★ Archaeological Survey of India
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग

★ # उप-महानिदेशक → जॉन मार्शल ने → 1902-1927
भेजा था दोनों को
★ 1921 में दयाराम साहनी → हड़प्पा (रावी)
★ 1922 में राखाल दास बेनर्जी → मोहनजोदड़ो (सिंधु नदी)
→ अवशेष प्राप्त किए → कार्बन डेटिंग C14 ↓ पता किया 2500 BC–1750 के अवशेष हैं

★ # सबसे पहले हड़प्पा स्थल खोजा गया था

★ # सिंधु घाटी की खोज # → जान मार्शल के समय में हुई ★

[नामकरण]

→ सिंधु घाटी सभ्यता / → सिंधु नदी के किनारे पर होने के कारण

→ हड़प्पा सभ्यता / → हड़प्पा शहर सबसे पहले खोजा गया। इसीलिए इसके नाम पर

→ कांस्य युग / → कांस्य बर्तन मिलने के कारण

→ प्रागैतिहासिक / → पुराने अवशेष व लिखित अवशेष
↓
पढ़ा नहीं गया (अज्ञात)

प्र० → हड़प्पा किस नदी के किनारे है / → रावी नदी #

प्र० → हड़प्पा सभ्यता किस नदी के किनारे है / → सिंधु नदी #

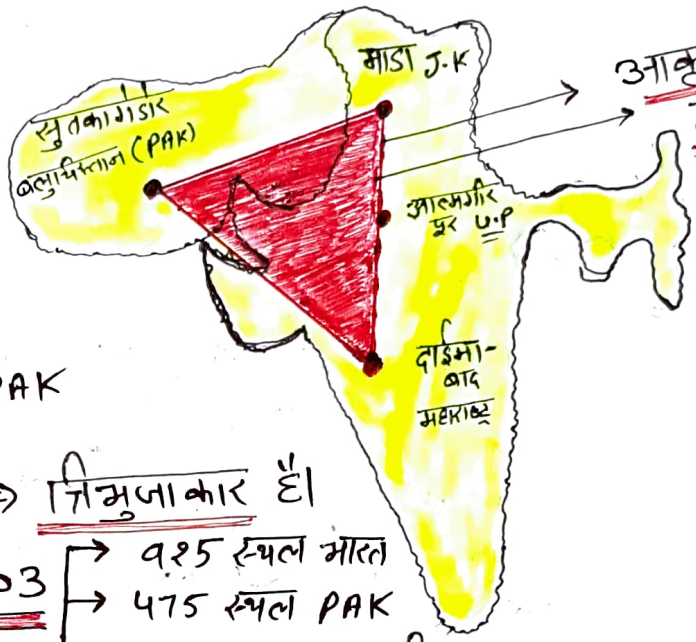

[विस्तार]

उत्तरी → माण्डा → J & K
पूर्वी → आलमगीर → U.P
दक्षिणी → दाइमाबाद → MAH
पश्चिम → सुतकागेंडोर → PAK
इस सभ्यता का क्षेत्र ⇒ त्रिभुजाकार है।
कुल स्थल ⇒ 1403
→ 925 स्थल भारत
→ 475 स्थल PAK
→ 3 स्थल अफगानिस्तान
कुल क्षेत्रफल → 1299600 वर्ग कि॰मी॰ है।

[व्यवस्था]

शहर → 2 भागों में बांटे गए थे

उच्च नगर
→ सभागार
→ अन्नागार
→ स्नानागार
→ राजा का निवास
→ दुर्ग (सुरक्षा)
→ सोटेडल कहा जाता था

निम्न नगर
→ आम जनता का निवास था

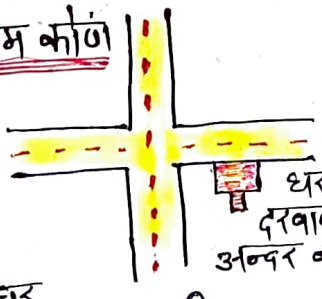

शहरी सभ्यता /→
सड़क ⇒ पक्की व चौड़ी
एक दूसरे को समकोण पर काटती थी

घर पक्के थे

नालियां पक्की व ढकी हुई होती थी

2 या अधिक मंजिल वाले व उनमें स्नान घर होते थे

[प्रमुख शहर]

स्नानागार → 11.88 मी लं०
7.01 मी चौ०
2.43 मी गहरा

अन्नागार → 45.71 मी० लं०
15.23 मी० चौ०

[मोहनजोदड़ो] # मृतकों का टीला

खोज → 1922 में राखलदास बैनर्जी ने
सिंधु नदी के किनारे है [सिंध PAK]
सबसे बड़ी ईमारत → अन्नागार मिला है।
सबसे बड़ा स्नानागार मिला है
दाड़ी मुंछ वाले पुजारी की मुर्ती मिली है।

मोहर ÷ मिली है → त्रिमुख देवता पशुपतिनाथ / → महादेव

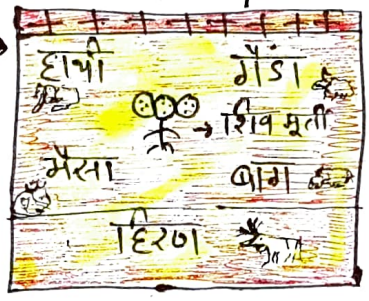

नर्तकी की प्रतिमा मिली है
कांस्य धातु की Danceing Photo

4 चुड़ीया R

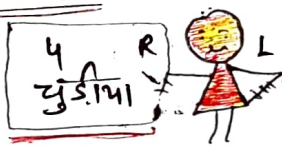

→ 25 चुड़ीया
Total = 29 चुड़ीया

मातृदेवी की प्रतिमा मिली है।

[हड़प्पा]

खोज → 1921 में दयाराम साहनी
रावी नदी के किनारे है [PAK]
सबसे पहले खोजा गया स्थल है ★
कब्रिस्तान मिला है जिसका नाम R-37 है।

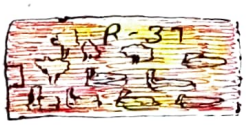

[चंहूदड़ो] # बिना दुर्ग का शहर [एक मात्र

सिंधु नदी [PAK] के किनारे है
मनके का कारखाना मिला है
शृंगार का सामान मिला है
हाथी खिलौने मिले हैं।

Ink Pot → स्याही की दवात
Lipstick → लीपिस्टीक
प्राप्त हुए है।

[लोथल] # → गुजरात में / → लघु हड़प्पा / लघु मोहनजोदड़ो

- भोगवा नदी के किनारे है
- बन्दरगाह प्राप्त हुआ है / → प्राचीन नाव के साक्ष्य मिले है।
- चावल व बाजरे के साक्ष्य मिले है। # लोथल हड़प्पा कालीन बंदरगाह है।
- चक्की के पाट मिले है।
- कौआ व लोमड़ी के साक्ष्य मिले है # हाथी के दांत का पैमाना भी प्राप्त हुआ है।
- अग्नी वेदिकाए / कुण्ड मिले है
- ईंट मिले है जो 1:6 अनुपात में है

नोट एक मात्र शहर जहा घरो के दरवाजे मुख्य सड़क की तरफ खुलते है।   # लोथल से चित्रित मृदभांड मिला है जो पंचतंत्र की कहानी चालाक लोमड़ी की याद दिलाता है।

[बनावली]

- हरियाणा मे है।
- सरसो, तिल प्राप्त हुए।
- तांबे का तीर प्राप्त "

(तांबे का तीर)

[धोलावीरा]

- गुजरात मे है।
- सबसे सुन्दर स्थल
- स्टेडियम (मैदान मिला)
  ↓
  सुचना पट (10 अक्षरो वाला)

[कालीबंगा]

- राजस्थान में है
- जुते हुए खेत मिले
- कच्चे मकान मिले
- कच्ची सड़के मिली
- काली चुड़ीया / काले रंग की चुड़ीया

[आर्थिक जीवन]

- Surplus – अधिशेष → भविष्य के लिए भण्डारण करके रखना
- मुख्य कार्य → पशुपालन व उद्योग
  - कुत्ता, भैंस बकरी घोड़ा, हाथी
  - बर्तन / वस्त्र / औजार (कास्य-पत्थर)
  - अन्य व्यापार

१ कृषि = गेहूं + जौ + चावल + कपास [Barter System]

(coins ✗) ⇒ Barter System → वस्तुओ के बदले वस्तु

सिक्के प्राप्त नहीं हुए इनकी जगह → वस्तु विनिमय प्रणाली जारी थी

Class 39

लीपि

- भावचित्रात्मक → चित्र व अक्षर (1000) है

R → → → → → L
R ← ← ← ← ← L] → Boustrophedon → दोहरा लेखन

[बाऊस्ट्रोफेडन]

दाए से बाए
बाए से दाए] → लिखी गई है।

→ लिखने का तरिका कहलाता है
→ आइडियोग्राफिक

- सिंधु सभ्यता की लिपी को अब तक ~~[illegible]~~ पढ़ा नहीं जा सका

पतन

- बाढ़ के कारण → मोहनजोदड़ो / मिट्टी की सात परत पाई गई है।

↓

सात बार बसा
सात बार उजड़ा

★ → इसलिए मृतकों का टीला कहते है

- तुफान
- प्राकृतिक आपदा
- ★ आर्यो का आक्रमण
- जलवायु परिवर्तन
- भूकंप
- अस्थिर नदी तंत्र

नोट हड़प्पा सभ्यता के लोग गाय से परीचित नहीं थे

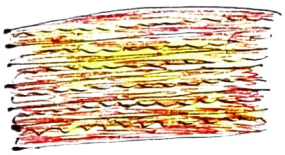

नोट घोड़े के अवशेष लोथल से प्राप्त हुए है।

नोट → सिंधु सभ्यता समाज
→ महिला प्रधान समाज था

★ ★

कारण → प्रत्येक घर में मातृ देवी की मुर्ती प्राप्त हुई है

वैदिक सभ्यता # 1750 BC – 600 BC

- → वेदों की रचना हुई
- → लोग → आर्य (श्रेष्ठ)
- → मूल स्थान → स्वामी दयानन्द सरस्वती → सत्यार्थ प्रकाश में आर्य तिब्बत से आए थे

विद्वान ★★
- → बाल गंगा धर तिलक → उत्तरी ध्रुव से आर्यों का आगमन
- → ईरानी ग्रंथ जेंद अवेस्ता → ईरान से
- → मैक्समुलर → मध्य एशिया से आर्य आए थे और सप्त सैंधव प्रदेश में आकर बसे थे

ऋग्वैदिक काल # 1750 – 1000 BC ई० पू०

उत्तर वैदिक काल # लौह युग कहा जाता है → 1000 – 600 BC ई० पू० तक

ऋग्वैदिक काल → 1750 BC – 1000 BC तक

- → प्रशासन → छोटी ईकाई → कुल ← (परिवार) → कुलपति
  - ग्राम ← (गाव) → ग्रामिणी
  - विश ← (तहसील) → विशपति
  - बड़ी ईकाई → जन ← (जिला) → राजा

राजा →

- → चुनाव से बनता था
- → सेवा के लिए
- → युद्ध में भाग लेगा

- सभा → न्याय करेगी
- समिति → चुनाव करवाती थी
- → राजा की सारी शक्ति इन्हीं के पास थी ★

Class 40

सामाजिक जीवन

समाज पुरुष प्रधान था ★

महिलाओं की स्थिति अच्छी थी ★

वर्ण व्यवस्था थी → जिसका जैसा कर्म उसका वैसा वर्ण था

कर्म ⇒ वर्ण → जो ज्ञान देगा → ब्रह्मण
- युद्ध करेगा → क्षत्रिय
- व्यापार करेगा → वैश्य
- सेवा → शुद्र / क्षुद्र

महिला
- → शिक्षा, चुनाव मे भाग
- → विवाह अपनी मर्जी ← लेकिन दास/गुलाम के साथ नही
- → विधवा-विवाह
- → यात्रा
- → सती प्रथा नही थी, बालविवाह नही,

अविवाहित महिलाओं को ऋग्वेद मे अमाजु कहा गया है। ★
आजीवन अविवाहित महिला

धार्मिक जीवन # → प्रकृति की पूजा करते थे ★

→ प्रिय देवता → इन्द्र देवता → जल के देवता
- अग्नि देवता → आग के देवता
- वरुण देवता → हवा के देवता
- पूषण देवता → पशुओं के देवता
- सोम देवता → वनों के देवता
- मरुत देवता → आँधी के देवता
- उषा देवता → प्रगति एवं उत्थान की देवी

मुख्य पेय पदार्थ
→ सोम रस
→   → सोमरस वृक्ष से

सुरा/wine → शराब
→ ऋग्वेद काल मे सुरा/शराब प्रचलित थी

आर्थिक जीवन

- मुख्य व्यवसाय → पशुपालन / उद्योग → वस्त्र, बर्तन, औजार
  - कुत्ता, बकरी, गाय, भैंस, घोड़ा आदि
- कृषि → गेहूँ, जौ, चावल
- ★ जौ (यव) → प्रमुख फसल थी
- Barter System
  - ★ वस्तु विनिमय प्रणाली प्रचलित थी

2 उत्तर वैदिक काल # 1000 BC — 600 BC तक

- लौह युग भी कहा जाता है → Iron age

प्रशासन → छोटी ईकाई → कुल
→ ग्राम ✗
→ विश ✗
→ जन ✗
बड़ी ईकाई → जनपद → राजा

जन	जन
जनपद	

राजा
- → राजतंत्र
- → युद्ध में भाग नहीं लेगा

- सभा
- समिति
  - → चुनाव सब बन्द कर दिए गए
- राजा का पद → वंशानुगत कर दिया गया
  - → राजा का बेटा राजा होगा ★

सामाजिक जीवन

- समाज पुरुष प्रधान था
- ★ वर्ण व्यवस्था अब → जाति प्रथा में बदल गई

कर्म से वर्ण नहीं → जन्म ⇒ वर्ण होगा

ब्राह्मण → जन्म → ब्राह्मण
क्षत्रिय → जन्म → क्षत्रिय
वैश्य → जन्म → वैश्य
शुद्र → जन्म → शुद्र

व्यक्ति जीवन के 4 आश्रम

0 — 25 → ब्रह्मचार्य
25 — 50 → गृहस्थ
50 — 75 → वान प्रस्थ
75 — 100 → सन्यासी
↓
जीवन व्यवस्था

Class 41

महिला जीवन

- शिक्षा बन्द, यात्रा बन्द, विधवा-विवाह बन्द, चुनाव बन्द
- ★ सति प्रथा प्रचलित हो गई थी

विवाह 8 प्रकार के शुरू हो गए थे

मान्यता विवाह # → समाज में इन विवाहों को मान्यता दी गई थी

- ब्रह्म विवाह → योग्य वर / वधु खोजकर → सबसे उत्तम विवाह था
- देव विवाह → यज्ञ के बदले मे विवाह
  यज्ञ करने वाले पंडित से पुत्री का विवाह करना
- आर्ष/आर्य विवाह → 2 गाय या बैल के बदले → कन्या का पिता वर से गाय लेकर
- प्रजापत्य विवाह → लड़की के पिता से हाथ मांगकर विवाह → कन्या का पिता वर से/को वचन करता था/ देता था

अमान्य विवाह # समाज की मान्यताओं के विरुद्ध विवाह थे

- गांधर्व विवाह → प्रेम में कामुक होकर घर से भाग कर शादी करना
- पिशाच/ पैशाच विवाह → रेप / बलात्कार करके शादी करना
- असुर विवाह → धन के बदले बेटी को बेचकर विवाह होना
- राक्षस विवाह → बलपूर्वक/ जबरदस्ती शादी करना

धार्मिक जीवन

- अंधविश्वास शुरू हुआ ★
- प्रकृति पूजन ★
- पूषण → शुद्रों के देवता कहलाए
  ↓
  पशुओं के देवता

आर्थिक जीवन

- कृषि → लोहे की खोज हुई
  ↓
  ★ अवशेष → अतरंजी खेड़ा
  U.P में
- पशुपालन / उद्योग
- गंगा + यमुना तक विस्तार हो चुका था

★ गंगा + यमुना तक विस्तार

जैन धर्म # → उत्पत्ति → जिन से हुई जिसका अर्थ → विजेता

- प्रमुख → तीर्थंकर → 24, 5 व्रत, 3 रत्न थे

1 → ऋषभदेव (आदिनाथ) → जैन धर्म के संस्थापक / जीवन का प्रतीक सांड / बछड़ा

19 → मल्लिनाथ → महिला / जीवन का प्रतीक → कलश ★

23 → पार्श्वनाथ → 4 व्रत देने वाले → सत्य, अहिंसा, गैर चोरी, गैर अधिकार
↳ जीवन का प्रतीक → नाग / सर्प

24 →
↳ महावीर स्वामी → जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक ★
★ ↳ जीवन का प्रतीक → शेर ★
↳ 24वें तीर्थंकर → आखरी तीर्थंकर ★

★ ऋषभदेव → ऋषभनाथ → आदिनाथ

★ → जन्म → अयोध्या में
→ मृत्यु → कैलाश पर्वत
→ 100 बेटे थे
→ 2 प्रमुख बेटे थे

नाम 1 → भरत → राजा बना → इसी के नाम पर भारत का नाम है
→ भरत का देश भारत ★

2 → बाहुबली
★ → गोमतेश्वर बाहुबली
★ → धार्मिक थे
→ 18 मीटर ऊँची प्रतिमा बनी हुई है।
★ → श्रवणबेलगोला (कर्नाटक में)
→ चामुण्डराय ने बनवाई थी

जैन धर्म महावीर स्वामी

→ [२४ वें तीर्थंकर]

★ [महावीर जैन के अन्य नाम
जिन, अर्हत, निर्ग्रन्थ, केवलिन
नायपुत भी थे]

[महावीर स्वामी]

★ बचपन नाम → वर्धमान / → ज्ञातृक क्षत्रिय वंश ★
पिता → सिद्धार्थ / सिद्धार्थ
माता → त्रिशला / → लिच्छवी शासक चेतक की बहन
★ जन्म → 599 BC / 540 BC में (Book) / → कुण्डलग्राम [वैशाली के पास]
★ पत्नी → यशोदा
★ पुत्री → प्रियदर्शनी / अणोज्या / → प्रियदर्शनी का विवाह जामालि से हुआ था

महावीर स्वामी जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक थे
★ महावीर स्वामी ने धर्म का प्रचार / → प्राकृत भाषा में किया था

31 वर्ष की आयु में गृह त्याग दिया
Book → 30 वर्ष

12 वर्ष की कठोर तपस्या की वनों में

Book → 42 वर्ष / 43 वर्ष की आयु में → जृम्भिक ग्राम के पास
→ ऋजुपालिका नदी के तट पर

→ साल वृक्ष के नीचे
→ ज्ञान / कैवल्य प्राप्त हुआ

→ महावीर, स्वामी, जिन (विजेता) कहलाए
↳ ज्ञान का भण्डार वाला ★

[महावीर स्वामी की] #
मृत्यु → 72 वर्ष की आयु में /
468 BC पावापुरी (राजगृह) में
मल्ल शासक / → सुस्तपाल के राज्य में /

[जैन धर्म में]
↓
[5 व्रत/व्रत, 3 रत्न, 2 भाग]

1 → सत्य
2 → अहिंसा
3 → गैर चोरी
4 → गैर अधिकार
(1–4 → पार्श्वनाथ 23वें)
5 → ब्रह्मचार्य → महावीर स्वामी ★
★ द्वारा जोड़ा गया
→ 24वें तीर्थंकर

[त्रिरत्न]
1 → सम्यक् दर्शन
2 → सम्यक् आचरण
3 → सम्यक् ज्ञान

[2 भाग]
1 → श्वेताम्बर
★ → श्वेत वस्त्र
→ स्थूलभद्र
2 → दिगम्बर
★ → बिना वस्त्र के
→ भद्रबाहु

एशिया की Light कहा जाता है → गौतम बुद्ध को

बौद्ध धर्म महात्मा बुद्ध → गौतम बुद्ध → बौद्ध धर्म के संस्थापक

- ★ बचपन नाम → सिद्धार्थ
- ★ जन्म → 563 BC → लुम्बिनी में हुआ (रुम्मिन्देई में)
  - ★ → कपिलवस्तु के निकट
  - ★ → नेपाल की तराई में अवस्थित था
- ★ पिता → शुद्धोधन
- ★ माता → महामाया / माया
- ★ पत्नी → यशोधरा
- पुत्र → राहुल

★ # जन्म के 7 दिन बाद महामाया की मृत्यु हो जाती है।

प्रजापति गौतमी (मौसी) ने ★ सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) का लालन-पालन / पालन-पोषण किया

16 वर्ष की आयु मे सिद्धार्थ की शादी → यशोधरा से कर दी गई

29 वर्ष की आयु में सिद्धार्थ को यशोधरा से पुत्र की प्राप्ती हुई जिसका नाम → राहुल था

सिद्धार्थ हृदय परिवर्तन

1 → बूढ़ा व्यक्ति देखा
2 → बीमार व्यक्ति देखा
3 → शवयात्रा देखी (मृत्यु यात्रा)
4 → सन्यासी देखा ★

सिद्धार्थ के

- ★ सारथी → चन्ना थे
- रथ में पहली बार घर से बाहर निकले थे
- ★ घोड़े का नाम → कंथक था

बुद्ध के गृह त्याग का प्रतीक → घोड़ा माना जाता है।

- हाथी → माता के गर्भ में आना
- कमल → बुद्ध का जन्म
- बोधिवृक्ष → ज्ञान प्राप्ती
- धर्मचक्र → प्रथम उपदेश
- भूमीस्पर्श → इन्द्रियों पर विजय

२९ वर्ष की आयु मे गृह त्याग कर दिया

- → 6 वर्ष की तपस्या की
- → निरंजना नदी के तट पर
- → पीपल के वृक्ष के नीचे
- → 35 वर्ष की आयु में

★ बोद्धगया नामक जगह पर ज्ञान की प्राप्ती हुई / → सुजाता नाम की लड़की के हाथों खीर खाकर व्रत तोड़ था

★ [बुद्ध / महात्मा कहलाए] लोगों द्वारा कहा गया था

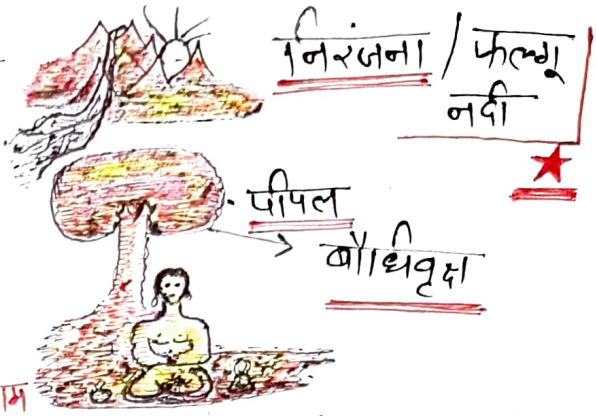

पहला प्रवचन → सारनाथ में दिया

483 ई० पूर्व / → 80 वर्ष की आयु मे कुशीनगर में इनकी ★ मृत्यु हो गई / → चन्द नामक कर्मकार के हाथों सूकर खाने के उपरान्त

[बौद्ध धर्म के सिद्धांत]

<घटनाए>

[5 आर्य सत्य]

1→ संसार मे केवल दुख: है
2→ दुखों का कारण इच्छा है
3→ सुखी बनने के लिए त्याग करना
4→ बौद्ध मार्ग अपनाना होगा

[5 घटनाए]

- ★ 1→ गृहत्याग → महाभिनिष्क्रमण
- ★ 2→ ज्ञान प्राप्ती → सम्बोधि
- ★ 3→ पहला प्रवचन → धर्मचक्र प्रवर्तन
- ★ 4→ मृत्यु → महापरिनिर्वाण

ये सब / → पाली भाषा के ★ अनुसार कहा गया है

→ एक करवट सोना भी कहा गया है

[5 महासभाए]

# [महासभा] #	# [कब] #	# [कहा] #	# [शासक] #	# [वंश] #	# [अध्यक्ष] #
पहली	★ 483 BC	राजगृह	अजातशत्रु	हर्यक	महाकश्यप
दूसरी	★ 383 BC	वैशाली	कालाशोक	शिशुनाग	सबागामी / साबकमीर
तीसरी	250/251 BC	पाटलिपुत्र	अशोक	मौर्य	मोगलीपुत तिस्स
चौथी	★ 72 AD	कुण्डलवन (कश्मीर)	कनिष्क	कुषाण	वसुमित्र

★ 72 AD ↓ ई० की प्रथम शताब्दी

class 43

महाजनपद काल => 16

मगध का इतिहास

मगद / मगध

→ राजधानी
- ★ → पाटलीपुत्र / → पटना
- ★ → राजगृह (गिरिव्रज)

पहला वंश → हर्यक वंश → 544–492 BC

→ बिंबिसार

★ → अजातशत्रु / → प्रथम बौद्ध संगीति

→ उदायिन / → पाटलीपुत्र को बसाया, मगध की राजधानी बनाया

दूसरा वंश → शिशुनाग वंश

→ 412–345 BC

→ शिशुनाग

★ → कालाशोक / → दूसरी बौद्ध संगीति

→ फिलिप का बेटा → सिकंदर

→ सेना
- → थल → सैल्युकस निकेटर
- → जल → निर्याकिस / निपाक...

आक्रमण → 326 BC → झेलम / वितिस्ता / हाईडेस्पीज का युद्ध

राजा → पोरस

सिकंदर + पोरस

× हार जाता है

व्यास नदी से वापिस चला जाता है

323 BC में बेबीलोन में सिकन्दर की मृत्यु हो जाती है

तीसरा वंश → नन्द वंश

→ 344–322 BC

→ महापदमनद

★ → धनानंद / धनानन्द

■ चाणक्य / कौटिल्य / विष्णु गुप्त

↓

★ अर्थशास्त्र की रचना → संस्कृत भाषा

→ मौर्य वंश की राजव्यवस्था की जानकारी

★ चन्द्रगुप्त मौर्य

322 BC में चन्द्रगुप्त मौर्य धनानंद को मार देता है। मौर्य साम्राज्य की नींव डालता है।

वन जंगलों

नाटक => बच्चे

मौर्य वंश → 322 BC – 185 BC

☆ → संस्थापक → चन्द्रगुप्त मौर्य → 322 BC से 297 BC तक

☆ → प्रधानमंत्री → चाणक्य

☆ कार्य → यूनानियों को खदेड़ा

मेगास्थनीज की इण्डिका में ☆
शिव को → डायोनिसियस
कृष्ण को → हेराक्लीज
कहा जाता था लोग इनकी पूजा करते थे

→ सैल्यूकस — हिन्दकुश पहाड़ी

↓ सिकन्दर का उत्तराधिकारी सैल्यूकस निकेटर था

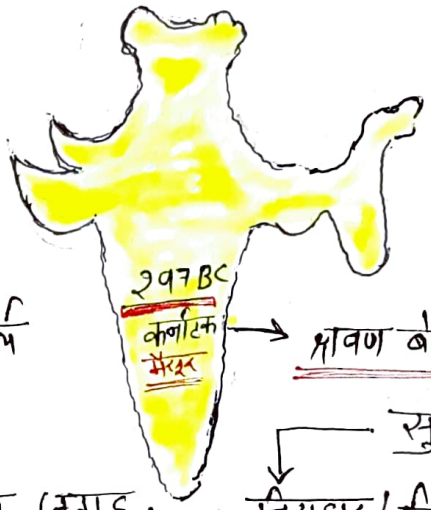

→ श्रावण बेल गोला में → चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु
सुल्लेखना पद्धति अपनाकर निराहार / निर्जल रहकर प्राणों को त्यागा था

→ 305 BC में सैल्यूकस भेष बदलकर चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया

→ 305 BC में → युद्ध की जगह सन्धि हुई ☆

→ सैल्यूकस की पुत्री → हेलेना

☆ चन्द्रगुप्त ने हेलेना से शादी कर ली

☆ 500 हाथी
↳ सैल्यूकस ले गया
↳ मेगास्थनीज को मगध भेजा ☆
↳ इंडिका की रचना की ☆

→ चन्द्रगुप्त मौर्य ने जैन धर्म को अपनाया था ☆

→ 297 BC में कर्नाटक → श्रावण बेलगोला में
↳ सुल्लेखना पद्धति अपनाकर → निराहार व निर्जल रहकर प्राणों को त्याग दिया था ☆

Class 44

जैन धर्म का विभाजन चन्द्रगुप्त मौर्य के समय → स्थूल भद्र / भद्रबाहु

स्थूल भद्र ↓ श्वेताम्बर

भद्रबाहु ↓ दिगाम्बर

नोट → चन्द्रगुप्त को जैन धर्म की शिक्षा / → भद्रबाहु ने दी थी

बिन्दुसार # 297 BC – 273 BC तक

अमित्रघात (दुश्मनों का नाश करने वाला)

16 राज्यों का विजेता कहा जाता है। → तिब्बती लामा तारानाथ के अनुसार

सीरिया → राजा / → एण्टियोकस (शरेटर)

↳ राजदूत / → डायमेकस

↳ बिंदुसार के दरबार में

डायमेकस को मेगास्थनीज का उत्तराधिकारी माना जाता है।

बिंदुसार की तीन मांगें

- → अंजीर ✓
- → दार्शनिक ✗
- → मीठी शराब ✓

बिंदुसार के समय → तक्षशिला मे विद्रोह हुआ

↳ सुषेन / → तक्षशिला का गवर्नर

↳ अशोक / → अवन्ति का गवर्नर ↓ वर्तमान → उज्जैन

↓ [4 साल बाद गद्दी पर बैठा]

↳ 16 रानी / 101 लड़के

☆ ↳ 273 BC में मृत्यु

टॉलमी II ने डायोनिशियस को अपना राजदूत बनाकर बिंदुसार के दरबार में भेजा था

अशोक # 269 BC – 232 BC

273 – 269 तक → गृह युद्ध → 4 साल तक गृह युद्ध चला

99 – भाई → हत्या → अशोक ने अपने 99 भाईयों की हत्या कर दी एक को जीवित छोड़ा था

अशोक को → अशोक वर्धन / गिरनार (पुराणों में कहा गया है

अशोक ने साम्राज्य विस्तार के लिए
- → युद्ध निति अपनाई
- → अफगानिस्तान तक शासन था

261 BC ★
- → कलिंग पर आक्रमण → अशोक के 13वें शिलालेख के अनुसार → राजा बनने के बाद 8 साल बाद कलिंग पर विजय प्राप्त की थी।

नरसंहार → 1 लाख हत्या
1.5 लाख घायल

अशोक हृदय परिवर्तन → बौद्ध भिक्षु → उपगुप्त

कलिंग की घटना के बाद

युद्ध नीति का त्याग किया

धम्म नीति अपनाई (प्रचार) ★

बौद्ध को / बौद्ध धर्म को अपना लिया → शिक्षा → उपगुप्त ने दी थी

शाही खजाना प्रचार में लगा दिया

बोधगया व लुम्बिनी की यात्रा की

लुम्बिनी को TAX Free किया

बेटी → अशोक
- → संघमित्रा को बौद्ध प्रचार के लिए श्री लंका भेजा

बौद्ध प्रचार के लिए → अभिलेख जारी किए गए
- → भारत में पहली बार

[अशोक के अभिलेख]

1 → स्तम्भ लेख /→ 7
2 → गुहा लेख /→ 4
3 → शिला लेख /→ 14

अशोक के अभिलेखों को सर्वप्रथम /→ जेम्स प्रिंसेप ने पढ़ा
1837 में
लिपि /→ ब्राह्मी

232 BC /→ अशोक की मृत्यु

मौर्यों का पतन शुरू

बृहद्रथ /→ 185 BC /→ अंतिम मौर्य शासक ☆
↳ इसकी हत्या पुष्यमित्र शुंग ने की

अशोक की पत्नी था /→ असंधिमित्रा / कारुवाकी
↳ पुत्र /→ तीवर

नोट → नागदेवी /→ अशोक की अन्य पत्नी
↳ बेटा /→ महेन्द्र
↳ बेटी /→ संघमित्रा
→ श्रीलंका बौद्ध प्रचार के लिए गए

☆ कल्हण की /→ राजतरंगिणी के अनुसार /→ अशोक ने श्रीनगर की स्थापना की ☆

~~की~~ तृतीय बौद्ध संगीति /→ पाटलीपुत्र में अशोक के शासन काल में हुई ☆

बराबर की पहाड़ियों में गुफाओं का निर्माण /→ अशोक ने करवाया
↳ बिहार में है।

ललित पाटन नगर (नेपाल) → की स्थापना /→ अशोक ने की

अशोक की **माता** /→ सुभद्रांगी थी /→ ब्राह्मण की पुत्री

अशोक का उत्तराधिकारी /→ कुणाल था
↓
तक्षिला / तक्षशिला में विद्रोह को दबाने के लिए गया ~~था~~ है

Class 45

185 BC मौर्य काल समाप्त — 240 AD गुप्तकाल शुरू

बीच का समय ↓

मौर्योत्तर काल 7 वंश थे → 4 वंश विदेशी, 3 वंश भारतीय → मौर्योत्तर काल कहलाता है

मौर्योत्तर काल # → 185 BC — 240 AD तक

बाह्य वंश
- हिन्द-यवन वंश → सोने के सिक्के जारी किए
- शक वंश
- पल्लव वंश
- कुषाण वंश → प्रमुख शासक → कनिष्क

आंतरिक वंश → भारतीय वंश
- शुंग वंश → पुष्यमित्र शुंग
- कण्व वंश
- सतवाहन वंश → शीशे के सिक्के जारी किए
  - संस्थापक → शिमुक था

कनिष्क
राजधानी → मथुरा, पेशावर
★ शुद्ध सोने के सिक्के जारी किए

★ 78 AD में → शक-संवत
भारत का (राष्ट्रीय पंचांग) की शुरुआत हुई

★ शुंग काल में ही पहला स्मृति ग्रंथ मनुस्मृति की रचना की गई

पुष्यमित्र का पुरोहित → पतंजलि → रचना
★ महाभाष्य

पाणिनी → रचना
★ अष्टाध्यायी

★ चौथी बौद्ध संगीति → कनिष्क के शासनकाल में हुई थी
↓
कुण्डलवन (कश्मीर)
अध्यक्ष → वसुमित्र था

★ # कनिष्क के राजवैद्य → चरक थे

विक्रम संवत् → 57 ई० पूर्व में शकों पर विजय से आरम्भ हुआ
उज्जैन का एक राजा जिसने शकों को हराया और विक्रमादित्य की उपाधी ग्रहण की।

★ इतिहास में अब तक 14 विक्रमादित्य हुए है।

हाल I → सातवाहन वंश का 17 वाँ शासक था
└→ इसने प्राकृत ग्रंथ → गाथा सप्तशती / गाथा सतसई की रचना की (700 श्लोक) है।

सातवाहनों की → राजकीय भाषा → प्राकृत → जिसे ब्राह्मी लिपि में लिखा जाता था।

सातवाहन वंश में → आर्थिक लेन देन
★ └→ सीसे के सिक्कों से होता था

ब्राह्मणों को सर्वप्रथम → भूमिदान / जागीर देने की प्रथा
★ → सातवाहनों ने ही शुरू की थी

सातवाहन काल में प्रमुख वास्तुकला
↓
→ कार्ले का चैत्य
★ → अजंता एवं एलोरा की गुफाओं का निर्माण
★ → अमरावती का स्तूप
→ नागार्जुनकोंड का स्तूप

गुप्त काल # → भारत के इतिहास का स्वर्ण युग / सोने का युग ☆

→ कला → नृत्य कला, मुर्तिकला, चित्रकला विकास

- [redacted] मथुरा में → महावीर मंदिर की मुर्ति
- ☆ झांसी में → दशावतार मंदिर

→ साहित्य → संस्कृत साहित्य का विकास

☆ कालिदास → रघुवंशम
→ अभिज्ञानशकुंतलम

→ विज्ञान → वराहमिहिर → रचना → वृतसंहिता

ब्रह्मगुप्त → रचना → ब्रह्म सिद्धांत (गणित)

आर्यभट्ट → रचना → आर्यभट्टयम, सूर्य सिद्धांत

गुप्त काल → 240 AD – 580 AD तक

→ श्री गुप्त ☆
→ घटोत्कच
→ चन्द्र गुप्त प्रथम ☆ I.m.P
→ समुद्र गुप्त ☆ I.m.P
→ राम गुप्त
→ चन्द्र गुप्त 2nd ☆ I.m.P
→ कुमार गुप्त
→ स्कन्ध गुप्त ☆ I.mP

→ # पतन #

श्री गुप्त → 240 – 280 AD

→ गुप्त वंश का संस्थापक ☆
→ पहला शासक

घटोत्कच → 280 – 320 AD

→ श्री गुप्त का पुत्र
↓
★ चन्द्र गुप्त प्रथम का पिता

चन्द्रगुप्त प्रथम → 320 – 335 AD

Class 46

→ गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक
→ प्रथम शक्तिशाली शासक ☆
→ प्रथम स्वतंत्र शासक

चन्द्रगुप्त को → महाराजाधिराज कहा जाता है।
कुमारदेवी को → महादेवी कहा जाता है। ☆

साम्राज्य विस्तार → लिच्छवी की राजकुमारी → कुमारदेवी से शादी की
→ गुप्त साम्राज्य फैला

★ 319/320 AD में → गुप्त संवत् पचांग की शुरुआत की

समुद्रगुप्त → 335 – 375 AD

☆ → कविराज भी कहा जाता है।
→ सिक्के → पिता के
→ माता + पिता = लक्ष्मी
☆ → खुद के सिक्के वीणा बजाते हुए

↓ सारी जानकारी
↓
→ प्रयागराज के अभिलेख
प्रयाग प्रशस्ति से मिलती है।
★ → हरिषेण कवि ने लिखी थी

साम्राज्य विस्तार

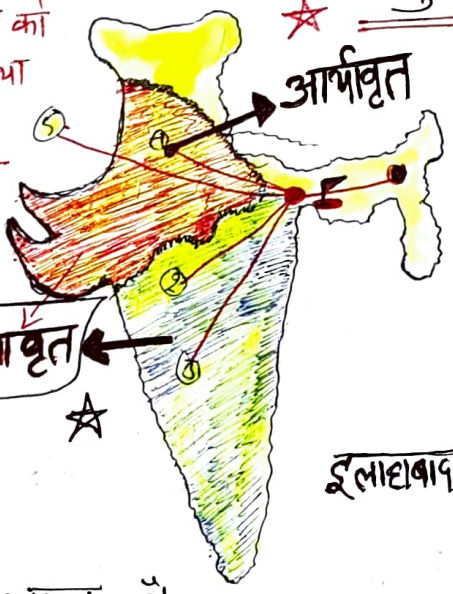

1 → आर्यावर्त → 9 राजाओं को हराया था
2 → मध्यक्षेत्र
3 → दक्षिणावर्त → 12 राजाओं को हराया
4 → सीमान्त राज्य
5 → गण राज्य

दक्षिणावृत ☆

इलाहाबाद स्तंभ ←

→ प्रयाग प्रशस्ति

समुद्रगुप्त को समरशत कहा जाता है।
→ सौ युद्धों को जीतने वाला

वि० ए० स्मिथ ने → समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा है। ★

रामगुप्त → 375 – 380 AD

- अयोग्य शासक था
- शकों ने इस पर आक्रमण किया और बुरी तरह से हराया → पत्नि → ध्रुवदेवी को → शकों को सौंप दिया

चन्द्रगुप्त 2nd → शकों को पराजित किया
शकों पर विजय प्राप्त करने के बाद
★ "विक्रमादित्य" की उपाधि धारण की।
→ अपने भाई रामगुप्त की हत्या कर दी और शासक बना।

ये सारी जानकारी एक नाटक → देवी चन्द्रगुप्तम से मिलती है
- लेखक → विशाखादत्त ने कवि के द्वारा रचना
- → संस्कृत भाषा ★

चन्द्रगुप्त 2nd → 380 – 413 AD

→ गुप्तकाल का स्वर्ण युग ★ पहला 'विक्रमादित्य'
→ सबसे प्रतापी शासक

उपाधि → गणारि, शकारि, देवश्री, देवराज, विक्रमादित्य

विस्तार → गुप्त सम्राज्य सम्पूर्ण भारत में फैला

प्रशासन → साम्राज्य → शासक
- प्रान्त → उपरिक
- जिला → विषयपति
- ग्राम → ग्रामिक

सिक्के → चांदी का सिक्का (रुपक) ★

साहित्य व कला का विकास
कालिदास, आर्यभट्ट

399 ई० में → फाह्यान (चीन) → बौद्ध भिक्षु
चन्द्रगुप्त 2nd के शासनकाल में ★

411 ई० में (511 ई०) → नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना ★
→ कुमारगुप्त ने की

[कुमार गुप्त] → 413 – 455 AD

/ तुमुन अभिलेख में कुमारगुप्त को → शरदकालीन सूर्य कहा गया है

- ★ → नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना की → 411 ई०
- ★ → मयूर आकृति के सिक्के जारी किए

नोट :- नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना → चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में हुई थी

[स्कंद गुप्त] → 455 – 467 AD

→ उपाधि → क्रमादित्य

- → आखरी योग्य शासक
- → हूणों को हराया
- → सुदर्शन झील का जिर्णोद्दार करवाया ★

[विष्णु गुप्त] # गुप्त वंश का अंतिम शासक था ★

गुप्त वंश के बाद भारत का विभाजन हुआ

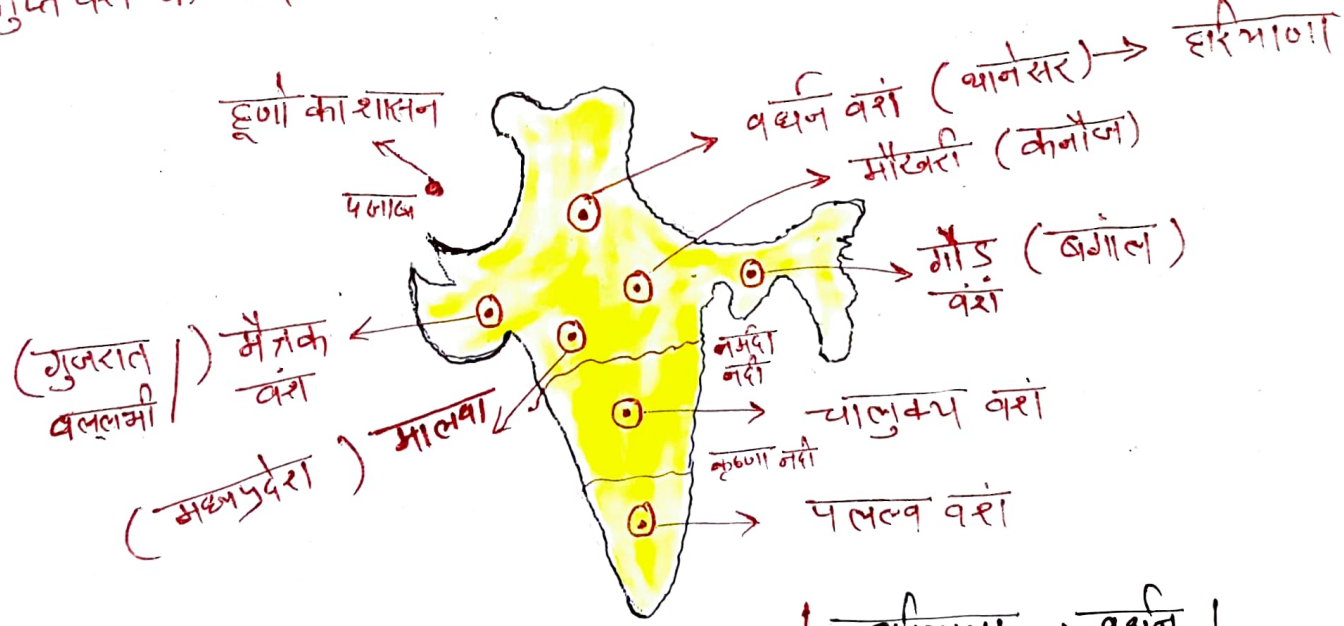

उत्तर भारत के वंश ←

हरियाणा	→ वर्धन
गुजरात	→ मैत्रक
कनौज	→ मौखरी
बंगाल	→ गौड़

→ उत्तर भारत के वंश

Class 47

वर्धन वंश / पुष्यभूति वंश → 600 – 647 AD

→ पुष्यभूति → संस्थापक / पहला शासक

→ आदित्यवर्धन → दूसरा शासक

प्रभाकर वर्धन → तीसरा शासक ☆ → राजधानी → थानेसर ☆

प्रभाकर वर्धन / पत्नि → यशोमती

हूण (मध्य एशिया)

- बेटे → राज्य वर्धन
- → हर्ष वर्धन ☆
- बेटी → राज्य श्री → शादी → गृहवर्मन से
- ☆ → 600 AD में शासक बना

→ पुत्री की शादी गृहवर्मन से की

→ खतरा → हूणों के आक्रमण से

दोनों पुत्रों को पश्चिम में भेजा हूणों को रोकने के लिए

इसी अभियान के बीच → प्रभाकर वर्धन की मृत्यु हो गई

606 AD → राज्यवर्धन शासक बना

राज्य वर्धन # 600 – 606 AD

→ राजधानी → थानेसर

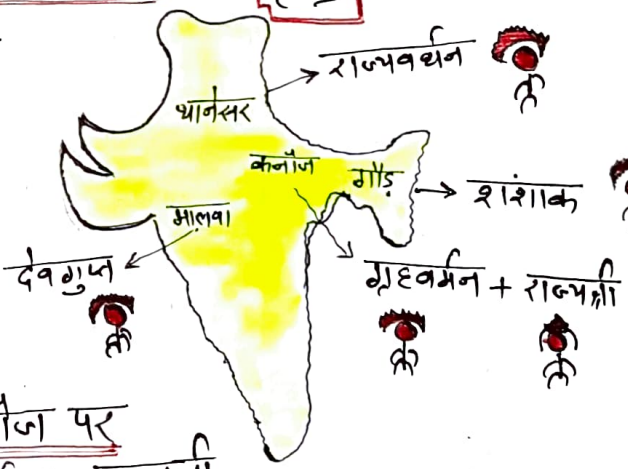

→ शशांक व देवगुप्त → आक्रमण → कनौज पर
गृहवर्मन + राज्यश्री

राज्यश्री कैद → देवगुप्त का कनौज पर अधिकार

→ राज्यवर्धन का आक्रमण → कनौज पर → देवगुप्त की हत्या ☆

→ शशांक ने राज्यवर्धन की हत्या करदी

→ राज्यश्री वनों में गायब हो गई

हर्षवर्धन → 606 – 647 AD तक

- → आखरी शासक (हिन्दु) / → राजधानी / → थानेसर ★
- → शिलादित्य / महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी ☆

पहला अभियान / → बंगाल व कनौज

★ दिवाकर (monk) की सहायता से राज्यश्री को ढुंढा / → कनौज की शासिका बनाया

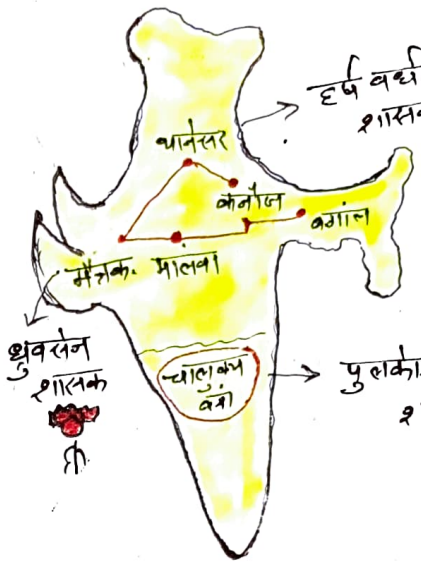

की → 606 में शासन शुरु
→ 647 में ☆ मृत्यु हो गई

★ गुजरात + मालवा

☆ → ध्रुवसेन से अपनी पुत्री की शादी कर दी

★ 620 AD / 630 AD / → दक्षिण भारत पर हमला / → पुलकेशिन 2nd व हर्षवर्धन
/→ नर्मदा का युद्ध

पुलकेशिन 2nd ↓ जीत हासिल
हर्षवर्धन ↓ हार गया

प्रशासन → राजधानी / → थानेसर व कनौज

साम्राज्य / → राजा / शासक / राजन्
- → भुक्ति → उपरिक
- → विषय → विषयपति
- → ग्राम → ग्रामिक

629 AD से 645 AD तक। / → ह्वेनसांग यात्री ☆☆
- → बौद्ध शिक्षा के लिए
- Book → सी० यू० की
- दूसरा नाम चाइनीज Name → जुवान / जंग
- → यात्रीयों का राजकुमार ★
- → नीति का पण्डित
- वर्तमान → शाक्यमुनि कहा जाता है

धार्मिक नीति / → पहले हिन्दुधर्म का प्रवर्तक था

→ बाद में "दिवाकार" के प्रभाव से बौद्ध धर्म अपना लिया

→ प्रयाग राज में / → हर 5 वर्ष में महोत्सव करवाता था
→ 5 वर्ष का सारा खजाना दान में देता था

रचना → रत्नावली, नागानन्द, प्रियदर्शिका ⇒ नाटक (संस्कृत में)

बाणभट्ट / → दरबारी कवि / → हर्षचरित, कादंबरी की रचना की

पल्लव वंश # 575 – 893 AD

- प्रथम शासक → सिंह विष्णु ☆
- अंतिम शासक → अपराजित ☆
- भाषा → तमिल ☆
  → तेलगु ☆
- राजधानी → कांचीपुरम ☆

→ पल्लव अधिकार

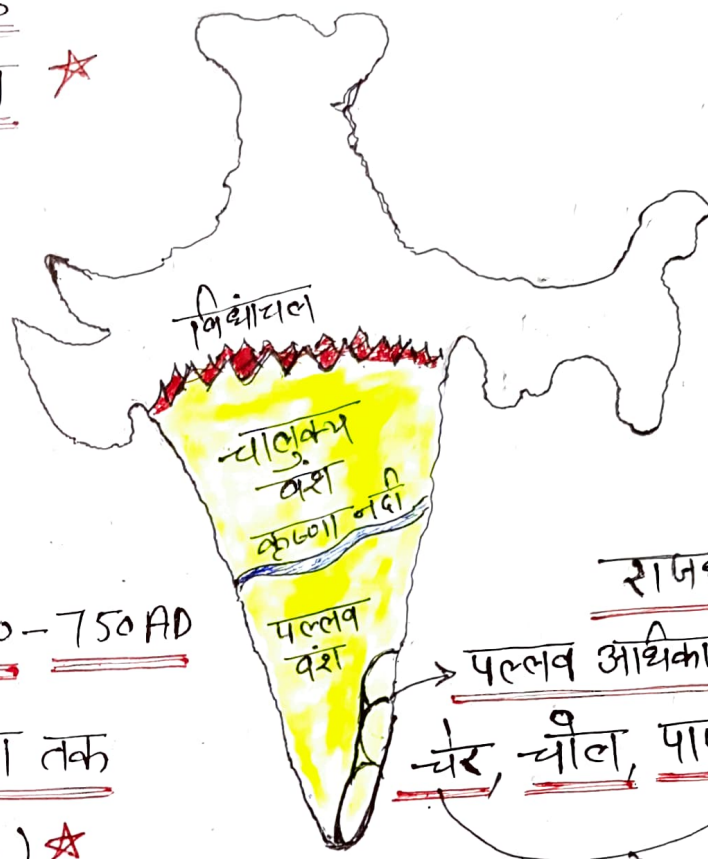

राजधानी → कांचीपुरम

चेर, चोल, पाण्ड्य ⇒ पल्लव

हार / जीत

चालुक्य वंश # 500–750 AD

- → विंध्याचल से कृष्णा तक
- → बादामी (कर्नाटक) ☆
- → भाषा → कन्नड ☆
  → संस्कृत ☆
- → शासक →
  1 → जयसिंह
  2 → रणराग
  3 → पुलकेशिन प्रथम
  4 → कीर्तिवर्मन प्रथम
  5 → मंगलेश
  ★★ 6 → पुलकेशिन 2nd → 620/634 ★ → नर्मदा का युद्ध
  हर्षवर्धन को हराया।
  7 → विक्रमादित्य
  8 → विनयादित्य
  9 → विजयादित्य
  10 → विक्रमादित्य 2nd
  11 → कीर्तिवर्मन 2nd

मराठा साम्राज्य # 1674 – 1818 AD

- संस्थापक → शिवाजी (छत्रपति शिवाजी)
- मराठा → हिन्दु थे
- भाषा → मराठी

प्रशासन → राजा → छत्रपति

अष्टप्रधान →
1. पेशवा → प्रधानमंत्री
2. सरि-ए-नौबत → महासेनापति
3. अमात्य / मजुमदार → वित्त मंत्री
4. सुमन्त / दबीर (विदेश मंत्री) → विदेश मंत्री
5. मंत्री / वाकया-नवीस → खुफिया प्रधान
6. चिटनिस → पत्रकार
7. न्यायधीश → जज
8. पण्डित राव → धार्मिक

दो प्रकार के कर (TAX) →
- चौथ → $\frac{1}{4}$ → राज्यों को बचाने के लिए लेते थे
- सरदेशमुखी → मराठो का हक

मराठा वंशावली → # शिवाजी # 1674 – 1680

- पुत्र → शम्भाजी (1680 – 89)
  - औरंगजेब ने कैद कर लिया था दोनो को
  - पुत्र → शाहू
    - बालाजी विश्वनाथ (पेशवा)
      - (1707 – 1713)
      - शाहू का साथ दिया युद्ध में
  - शाहू को कैद से मुक्त → बहादुरशाह प्रथम ने किया था
- पुत्र → राजाराम (1689 – 1700)
  - पत्नि → तारा बाई / तारा देवी
  - पुत्र → (शिवाजी द्वितीय) 3 साल आयु
  - युद्ध → खेड़ा का युद्ध

[redacted] (1713 AD के बाद)

शाहू ने सत्ता को (राजपाट) /→ पेशवाओं को सौंप दिया
अब छत्रपति (राजा) बस नाम मात्र के रह गए

①→ प्रमुख पेशवा /→
① बालाजी विश्वनाथ
② बाजीराव
③ बालाजी बाजीराव
④ नारायण राव
⑤ माधोराव
⑥ माधोनारायण
⑦ बाजीराव 2nd

शिवाजी → 1674 – 1680 AD
→ जन्म /→ 1627 /→ शिवनेर (महाराष्ट्र)
माता /→ जीजा बाई
पिता /→ शाहजी भोसले
→ मराठा साम्राज्य के संस्थापक
→ गुरु
  → कोंडदेव
  → रामदास (अध्यात्मिक गुरु) /→ समर्थ रामदास
    → शिवाजी पर सबसे ज्यादा प्रभाव इन्हीं का था

शम्भाजी # 1680 – 89 AD
→ शिवाजी के पुत्र थे
→ अपने बेटे शाहू के साथ औरंगजेब की कैद में रहे

राजाराम # 1689–1700 AD
→ शिवाजी के पुत्र थे
→ पत्नि /→ ताराबाई / बेटा /→ शिवाजी 2nd

शिवाजी 2nd # 1700–1707 AD
1707 में /→ खेड़ा का युद्ध /→ ताराबाई + शाहू
ताराबाई — हार
शाहू — जीत

शाहू # 1707 — 1713 AD / → सत्ता पेशवाओं के हाथ में दे दी।

पेशवा शासन

① → बालाजी विश्वनाथ # / → मराठा साम्राज्य का दूसरा संस्थापक

② → # बाजीराव # / → पत्नि / → मस्तानी
  └→ दिल्ली पर आक्रमण / → 1737 मे

③ # बालाजी बाजीराव # / → 1761 ई० / → पानीपत का 3rd युद्ध

④ # नारायण राव #

⑤ # माधोराव #

⑥ # माधो नारायण #

⑦ # बाजीराव 2nd # 1818 ई० मे / → 8 लाख पेंशन पर (अंग्रेजों द्वारा) बिठूर भेज दिया गया
  └→ गोद लिया हुआ बेटा / → नाना साहेब
    └→ 1857 की क्रान्ती में भाग लेने वाले